चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 102 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 03 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

वक्फ पर राज्यसभा में 'रण'

वक्फ संशोधन बिल संविधान पर हमला : सोनिया गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने विधेयक और उसे पारित कराने के लिए सरकार की ओर से दिखाई गई जल्दबाजी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह विधेयक जबरन पास कराया गया है, इसे थोपा गया है।

कांग्रेस संसदीय पार्टी (CPP) की आम सभा की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा कि कल लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पारित हो गया और आज इसे राज्यसभा में पेश किया जाना है। इस विधेयक को जबरन पारित किया गया। हमारी पार्टी का रुख स्पष्ट है। यह विधेयक संविधान पर एक हमला है। यह हमारे समाज को स्थायी रूप से ध्रुवीकृत रखने की भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित किए जाने के कुछ घंटों बाद कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में कांग्रेस सांसदों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार देश को रसातल में धकेल रही है। सरकार शिक्षा, नागरिक अधिकार, लोगों की स्वतंत्रता, हमारे संघीय ढांचे, या चुनाव का संचालन हो, किसी को भी बख्श नहीं रही है। उन्होंने दावा किया कि अब हमारा संविधान केवल कागजों पर रह जाएगा। हम जानते हैं कि उनका इरादा उसे भी ध्वस्त करने का है।

अनुराग के आरोपों पर सदन में हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित होने के बाद गुरुवार को राज्यसभा में पेश किए जाने से पहले राज्यसभा में विपक्ष के सांसदों ने खूब हंगामा किया। हंगामा केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे पर लगाए गए आरोपों को लेकर हुआ। खरगे ने सदन में कहा कि अनुराग ठाकुर लगाए गए आरोपों को साबित करें नहीं तो इस्तीफा दें। हालांकि, राज्यसभा में केंद्र सरकार को ज्यादा मुश्किल नहीं होगी। एनडीए में शामिल जेडीयू, टीडीपी, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी का समर्थन मिलेगा।

संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू आज राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल को पेश करेंगे। राज्यसभा में इस समय 236 सांसद हैं, जिस वजह से यहां बहुमत के लिए 119 सांसदों के समर्थन की जरूरत पड़ती है। राज्यसभा में बीजेपी के 98 सांसद हैं।

संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा की बात करें तो यहां सदन की मौजदा स्ट्रेंथ 236 सदस्यों की है। इसमें बीजेपी का संख्याबल 98 है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

चैत्र नवरात्र

षष्ठम कात्यायनी

आज मां भगवती के छठे स्वरूप कात्यायनी की पूजा-अर्चना होगी। माता ने अपने इस पुत्री स्वरूप से पिता के कुल की रक्षा का संदेश दिया है। कात्यायन ऋषि ने तपकर देवी से वरदान मांगा कि आप पुत्री रूप में मेरे कुल में जन्म लें। देवी ने कात्यायन ऋषि की प्रसन्नता के लिए अपना अजन्मा स्वरूप त्याग कर पुत्री रूप में जन्म लिया। सामान्यत: पुत्री का गोत्र पति के गोत्र से चलता है, लेकिन यहां देवी सदा-सर्वदा के लिए पिता के गोत्र से जुड़ गई। इसी कारण देवी का नाम कात्यायनी पड़ा। इस रात्रि जागरण और जप करने से साधक को सहज ही माता कात्यायनी की कृपा का लाभ मिलता है। नवरात्र की षष्ठी माता सरस्वती को समर्पित है।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

रैपीडो पर सवार युवती हादसे में घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा क्षेत्र के परी चौक पर ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं रैपीडो बाइक पर आ रही बी टेक थर्ड ईयर की छात्र सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई।

कस्बा ककोड जनपद बुलंदशहर निवासी समीर पुत्र सलीम 1 अप्रैल को अपनी बाइक से किसी कार्य से ग्रेटर नोएडा आया था। परी चौक पर ट्रक की चपेट में आने से समीर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल समीर को पुलिस ने नजदीक के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई सलमान ने ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर एक्सीडेंट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

इसी थाना क्षेत्र के अपोलो चौराहे के पास रैपिडो बाइक पर सवार बीटेक थर्ड ईयर की छात्र गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्राम मायचा निवासी आनंद कुमार शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी 28 मार्च की शाम को रैपीडो बाइक से गलगोटिया गर्ल्स हॉस्टल के लिए आ रही थी। अपोलो चौराहे के पास रॉन्ग साइड से तेज गति में आ रहे बाइक सवार ने रैपीडो बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में उनकी बेटी अनु शर्मा गंभीर **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ट्रंप के टैरिफ ऐलान से शेयर बाजार में हलचल

डॉलर के मुकाबले रुपया 26 पैसे गिरा, 85.78 पर पहुंचा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर जवाबी टैरिफ के एलान का असर गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार पर देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में ही शेयर बाजार नकारात्मक रुख के साथ खुला। सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट देखने को मिली। फिलहाल सेंसेक्स 805.58 अंक यानी 1.05 फीसदी गिरकर 75,811.86 अंक पर कारोबार करते दिखा। ऐसे निफ्टी 182.05 अंक यानी 0.78 फीसदी **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ऑटो, फार्मा सेक्टर पर सबसे ज्यादा असर

ट्रंप के ऐलान के बाद स्टील, एल्युमिनियम, केमिकल्स, फार्मा और ऑटो सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। अमेरिका में भारतीय उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। वहीं भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में नया तनाव आ सकता है। यह फैसला अमेरिकी चुनावी माहौल और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने की नीति का हिस्सा माना जा रहा है। भारत सरकार ने ट्रंप के इस फैसले का आंकलन शुरू कर दिया है।

किस देश पर लगाया कितना टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिस्काउंटेड रेसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान कर दिया है। भारत, चीन समेत दूसरे देशों से अमेरिका पहुंचने वाले सामान पर कितना टैरिफ लगेगा इसका ऐलान कर दिया गया है। यह नया टैरिफ तुरंत लागू हो गया है। कई एशियाई देशों पर भी 30 फीसदी से 45 फीसदी तक का टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप के ऐलान के मुताबिक, भारत से अमेरिका 26 फीसदी टैरिफ वसूलेगा। वहीं चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप के इस ऐलान के अनुसार, भारत से अमेरिका आने वाले सामान पर (शेष-3 पर)

ठेकेदारी को लेकर खूनी संघर्ष

फायरिंग में एक घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी के मायचा गांव में ठेकेदारी को लेकर संघर्ष हो गया। दबंगों ने ठेका लेने वाले दूसरे पक्ष पर लाठी डंडों से हमला कर दिया और हमले के दौरान फायरिंग भी कर दी। गोली लगने से दूसरे पक्ष का एक व्यक्ति घायल हो गया उसका दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में दबंगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। न्यायालय के निर्देश के बाद 10 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

ग्राम मायचा निवासी राहुल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 29 नवंबर की शाम को वह अपने दोस्त सुमित तथा निर्दोष के साथ कंपनी से मिले ठेकेदारी का कार्य कर रहे थे। निर्माण अधीन कंपनी पर कार्य करने के दौरान पप्पू उर्फ श्याम सिंह, रोहित, नवीन, मोहित, गुल्ली उर्फ अनुज, विशाल, राहुल, पिंटू, भूरा उर्फ रोहित, अनिकेत व करीब पांच अज्ञात लोग मौके पर पहुंचे। पप्पू और श्याम सिंह, रोहित उर्फ बबली के हाथ में पिस्तौल थी बाकी के हाथ में लाठी डंडे व सरिया थे। इन लोगों ने आते ही गाली गलौज शुरू कर दी। पप्पू और श्याम सिंह ने कहा कि ठेकेदारी का यह कार्य उन्हें मिलना था। इस दौरान रोहित ने अपनी अवैध पिस्तौल से हवाई फायरिंग कर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान पप्पू **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

बिना नंबर की बाइक पर सवार बदमाशों से मुठभेड़, दो घायल

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुधनगर पुलिस कमिश्नरेट की सेंट्रल जोन की पुलिस बदमाशों पर कहर बनकर टूट रही है। अलग-अलग स्थानों पर हुई मुठभेड़ में पुलिस ने तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली भी लगी है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

केटीएम बाइक सवार बदमाशों ने छीना मोबाइल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा थाना बिसरख क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा वेस्ट में केटीएम बाइक सवार दो बदमाशों ने एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीन लिया। मोबाइल फोन छीनने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। नोएडा एक्सटेंशन में रहने वाले सौरभ कुमार सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताएं कि वह 24 मार्च की रात्रि को एस के ए ग्रीन आर्च मार्केट के सामने से जा रहा था। इस दौरान केटीएम बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसे रोक लिया और उसके हाथ से उसका सैमसंग गैलेक्सी जेड फ्लिप 6 मोबाइल फोन छीन लिया। उसने बदमाशों का विरोध करने का प्रयास किया लेकिन वह उसे धक्का देकर केटीएम बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। सौरभ कुमार सिंह के मुताबिक उसने इसकी सूचना पुलिस को दी पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सुप्रीम कोर्ट के सभी जज घोषित करेंगे अपनी संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक करने का ऐलान किया है. चीफ जस्टिस संजीव खन्ना को भी अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करना होगा। सुप्रीम कोर्ट की फुल कोर्ट ने यह तय किया है कि जजों को पद संभालते ही अपनी संपत्तियों का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करना चाहिए। सीजेआई और जज अपनी संपत्तियों का पूरा ब्योरा स्वेच्छा से सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर सार्वजनिक करेंगे। मौजूदा समय में सीजेआई सहित सुप्रीम कोर्ट में कुल 30 जजों ने अपनी संपत्तियों का ब्योरा सार्वजनिक किया है।

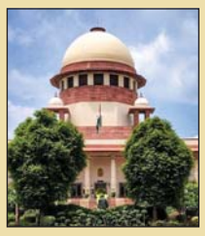

सेक्टर-82 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष पर हमला

- चुनाव में हारे लोगों ने साजिश के तहत की मारपीट : राघवेन्द्र दुबे

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-82 के पॉकेट-7 के आरडब्लूए अध्यक्ष राघवेन्द्र दुबे पर सेक्टर के ही चुनाव में हार से बौखलाए विरोधी पक्ष के आधा दर्जन लोगों ने कातिलाना हमला किया। मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद है। राघवेन्द्र दुबे ने बताया कि उन्होंने सेक्टर के एक गार्ड को इसलिए हटा दिया कि उसने एक साइकिल चोर को गेट **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

प्रेम जाल में फंसाकर भगा ले गये

लड़की घर से ले गई लाखों के जेवर व नकदी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा में एक व्यक्ति ने दो युवकों के खिलाफ उसकी नाबालिक बेटी को बहला फुसलाकर भाग ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी बेटी दो युवकों के फुसलाने में आकर घर में रखें 190000 रुपए व लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात में अपने साथ ले गई है। थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले मनोज (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 1 अप्रैल को वह अपने परिवार सहित खेत पर गेहूं की कटाई करने के लिए गया था। घर पर उसकी 16 वर्षीय से बेटी अकेली थी। शाम के समय जब वह वापस घर पहुंचे तो उन्हें अपनी बेटी गायब मिली। उन्होंने अपनी बेटी की काफी खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चला। इस दौरान पड़ोसी ने बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाला अभिषेक उर्फ यतीक प्रकाश व शेखर उसकी नाबालिक बेटी को अपने साथ बहला फुसलाकर ले गए हैं। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

10 मंजिला भवनों की आग पर काबू पा सकेगा दमकल विभाग

खर्च किए जाएंगे 30 करोड़ रुपये, बोर्ड बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव, चौराहों पर लगेंगे स्प्रिंकल

नोएडा (चेतना मंच)। अब 90 मीटर ऊंचाई पर लगी आग को भी आसानी से बुझाया जा सकेगा। दमकल विभाग के बेड़े में 72 और 90 मीटर ऊंचाई तक पहुंचने वाले हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म जोड़े जाएंगे। बढ़ती आगजनी की घटनाओं पर त्वरित काबू करने तथा अधिकतम जन एवं धन हानि की क्षति बचाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने कमर कस ली है। अग्निशमन विभाग को और भी चाक चौबंद करने के लिए नोएडा प्राधिकरण 30 करोड़ रूपये का बजट जारी करेगी। आगामी बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाएगा। यह जानकारी बैठक के दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने दी।

उन्होंने कहा कि 30 करोड़ के बजट से हाइ टैक्नोलॉजी बेस्ड फायर इक्यूप्मेंट खरीदे जाएंगे। ये बजट एक साथ रिलीज नहीं किया जाएगा। बोर्ड में लाकर इसे पास किया जाएगा। इसके बाद इक्यूमेंट की खरीद के अनुसार रीलीज किया जाएगा। प्राधिकरण ने बताया कि इसमें ऐसे ड्रोन भी लिए जाएंगे जिससे हाइ राइज इमारतों में बाहर से आग पर काबू पाया जा सके। हाइ टैक्नोलॉजी पर आधारित फायर सूट जिनको पहनकर आग के अंदर रेस्क्यू किया जा सके। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सबमर्सिबल की मोटर चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के ग्राम सादुल्लापुर उर्फ माडलपुर में खेत में लगी सबमर्सिबल की मोटर पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। ग्राम सादुल्लापुर उर्फ मॉडलपुर निवासी शिवराज सिंह ने बताया कि उसके खेत में सिंचाई के लिए मोटर पंप लगा हुआ है 7 जुलाई की रात्रि को चोरों ने उसके खेत से समर की मोटर पंप व केबल को चोरी कर लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने करीब 9 माह बाद मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

चेताने वाले निष्कर्ष

तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं,लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे मुनिराज! हम ब्राह्मण नहीं हैं, शिवजी के गण हैं। हमने बड़ा अपराध किया, जिसका फल हमने पा लिया। हे कृपालु! अब शाप दूर करने की कृपा कीजिए। दीनों पर दया करने वाले नारदजी ने कहा- ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

निसिचर जाइ होहु तुम्ह दोऊ। बैभव बिपुल तेज बल होऊ॥

भुज बल बिस्व जितब तुम्ह जहिआ। धरिहहिं बिष्नु मनुज तनु तहिआ॥

तुम दोनों जाकर राक्षस होओ, तुम्हें महान ऐश्वर्य, तेज और बल की प्राप्ति हो। तुम अपनी भुजाओं के बल से जब सारे विश्व को जीत लोगे, तब भगवान विष्णु मनुष्य का शरीर धारण करेंगे॥

समर मरन हरि हाथ तुम्हारा। होइहहु मुकुत न पुनि संसारा॥

चले जुगल मुनि पद सिर नाई। भए निसाचर कालहि पाई॥

युद्ध में श्री हरि के हाथ से तुम्हारी मृत्यु होगी, जिससे तुम मुक्त हो जाओगे और फिर संसार में जन्म नहीं लोगे। वे दोनों मुनि के चरणों में सिर नवाकर चले और समय पाकर राक्षस हुए॥

दो0-एक कलप एहि हेतु प्रभु लीन्ह मनुज अवतार।

सुर रंजन सज्जन सुखद हरि भंजन भुमि भार॥

देवताओं को प्रसन्न करने वाले, सज्जनों को सुख देने वाले और पृथ्वी का भार हरण करने वाले भगवान ने एक कल्प में इसी कारण मनुष्य का अवतार लिया था॥

(क्रमशः...)

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।

भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।

देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर

पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बर्बादी को रोकने में सफलता मिल रही है।

आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अत: किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके।

विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है।

कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अत: देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

- प्रहलाद सबनानी

कन्याओं का पूजिये भी, आत्मसुरक्षा भी सिखाइए

नवरात्र से चैत्र नवरात्र शुरू हो गए हैं। नवरात्र में अधिकांश हिंदू परिवार घर में मां के कलश की स्थापना करते हैं। इन नौ दिन उपवास रखकर देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है। देवी स्परुपा कन्याओं को पूजा जाता है। उन्हें जिमाया जाता है। वस्त्रादि भेंट किए जाते हैं। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। सदियों से चली आ रही इस परम्परा में वक्त के हिसाब से अब सुधार की जरूरत है। आज जरूरत है कि हम कन्याओं को पूजे और जिमाएं ही नहीं। उन्हें शिक्षित भी करें। उन्हें आज के समय और परिस्थिति में जीने के अनुकूल बनाए। आत्मसुरक्षा भी सिखाए। उन्हें गुड टच और बेड टच से अवगत भी कराएं। कन्याओं को आज के समाज में शान और सम्मान के साथ जीने के योग्य बनाएं। ज्यादती के खिलाफ बोलना भी बताएं। ज्यादती का मुकाबला भी करना सिखाएं।

नवरात्र देश भर में अलग-अलग रूप में मनाए जाते हैं। पूजा अर्चन की जाती है। सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे। स्वस्थ समाज की मांग करें। ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़े। वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें।

आज देश की देवियां, महिलाएं, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं। कार तो बहुत समय से चलाती रही हैं। अब ये आटो, ट्रक, ट्रेन, मालगाड़ी भी चलाने लगीं हैं। ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बार्डर की हिफाजत भी महिलाएं कर रही हैं। आधुनिकतम लड़ाकू विमान भी उड़ा रहीं हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं।

कभी गाना, बजना, नाचना महिलाओं की कला मानी जाती थी। उसमें उन्हें पारंगत करने के साथ-साथ पुराने समय से परिवार की बेटियों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, अनाज पिसाई, छनाई के साथ घर के कामकाज भोजन बनाने में आदि में निपुण किया जाता था। ताकि वह समय की जरूरत के हिसाब के शादी के बाद अपने परिवार को संभाल सकें। इस समय शिक्षा पर उतना जोर नही था। परिवार की जरूरतें बढ़ी तो पढ़ी -लिखी महिलाएं घर की चाहरदीवारी से निकलीं। नौकरी करने लगीं। बिजनेस में परिवार को सहयोग देने लगीं। समय बदला। महिलाएं आज शिक्षित हो सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। नौकरी के लिए अकेली युवती का विदेश जाना अब आम हो गया। पैरा मिलेट्री फोर्सेज में योगदान करने के साथ आज वह सेना में आकर देश सीमाओं को सुरक्षित बनाने और शत्रु से लोहा लेने में भी लगी हैं।

समय के साथ-साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई, शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नहीं हुए। हाल ही में राष्ट्रीय

महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय महिला आयोग को साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थी जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। साल 2020 में कुल 23,722 शिकायतें महिला आयोग को मिली थीं। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। घरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक 15,828 शिकायतें दर्ज की गईं, इसके बाद दिल्ली में 3,336, महाराष्ट्र में 1,504, हरियाणा में 1,460 और बिहार में 1,456 शिकायतें दर्ज की गईं। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के शील भंग या छेड़छाड़ के अपराध के संबंध में 1,819 शिकायतें मिली हैं। बलात्कार और बलात्कार की कोशिश 1,675 शिकायतें, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की 1,537 और साइबर अपराधों की 858 शिकायतें मिली हैं। ये वे शिकायत हैं जो रजिस्टर होती हैं1 इससे कई गुनी शिकायत तो दर्ज ही नही होती। परिवार का सम्मान बताकर, युवती की स्मिता की बातकर घटनाएं दबाली जाती हैं।

अब तक बच्चियों को गाने-बचाना, डांस करने के वीडियो सामने आते थे। हाल ही में एक वीडियो सामने आया जिसमें एक पिता अपनी बेटी को लाठी चलाना सिखा रहा है। इस छोटे से वीडियों को बहुत पसंद किया गया। आज समय की मांग है कि परिवार विशेषकर मां बेटी को बचपन से गुड टच और बैड टच से अवगत कराए। इनका अंतर बताए। कहीं कुछ घर के आसपास, स्कूल में, स्कूल बस में अगर ऐसा होता है तो वह घर आकर बताएं। बेटी अब घर की देहरी के अंदर तक ही सीमित नही रह गई है। वह कार्य के लिए घर से बाहर निकल रही है। ट्रेन में, बस में अकेले सफर कर रही है। नौकरी के लिए सात समुंद पार जा रही है। ऐसे में जरूरत है उसे आत्मसुरक्षा की जानकारी देने की। जूडे-कराटे सिखाने की। आत्मसुरक्षा में निपुण करने की, ताकि वह विपरीत परिस्थिति में अपना बचाव कर सके। अगर ऐसा होगा तो छेड़छाड़ करने वाले के भय से युवती को आत्महत्या नही करनी पड़ेगी। जबकि आज इस तरह की रोज अखबारों में खबर आ रही हैं।

पिछले दिनों मुरादाबाद में से 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा ने छेड़छाड़ से परेशान होकर कीटनाशक खा कर आत्महत्याकर ली। मुंबई के विनोबा भावे नगर चचेरे भाई के बार-बार यौन उत्पीड़न से तंग आकर 15 वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद में मनचले की छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। इस तरह की खबर रोज अखबारों में सुर्खियां बन रही हैं। हम अपने परिवार की बेटी को ऐसे संस्कार और शिक्षा दें। उसे आत्मनिर्भर बनाएं, आत्मसुरक्षा सिखाएं, ज्यादतियों के खिलाफ उसे आवाज उठाना भी सिखाएं ताकि समाज की कन्या और समाज बेटी की खबर अखबार की सुर्खी न बने। उसके साथ ज्यादती करने का कोई हौंसला न कर सके। हाल में अच्छा यह हुआ है कि केंद्र ने इस तरह की घटनाओं के लिए पास्को एक्ट बनाया। इसमें त्वरित न्याय दिलाने की भी व्यवस्था की है, ताकि अपराधी अपराध करता डरे। जरूरत है कि पास्को एक्ट के तहत हुए निर्णयों का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर से किया जाए ताकि अपराधी में भय पैदा हो।

- अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राशिफल

चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
कौटुंबिक सुख मिलेगा। वाणी नियंत्रित रहेगी। शुभता बनी रहेगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शुभ संस्कार में शामिल होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार भी अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम-संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
राजनीतिक लाभ मिलेगा। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद। व्यावसायिक सफलता। पिता का साथ।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
यात्रा का योग बनेगा और यात्रा लाभदायक होगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कोई रिस्क न लें। थोड़ा बचकर पार करिए। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान ठीक है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। चली आ रही परेशानी दूर होगी। शादी-ब्याह तय हो सकती है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
गुण-ज्ञान की प्राप्ति। बुजुर्गों का आशीर्वाद।स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय। प्रेम के लिए अच्छा समय, संतान के लिए अच्छा समय।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
मीन राशि की स्थिति अच्छी होगी। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सलारपुर मेट्रो स्टेशन के बगल में खाली पड़ी जमीन पर बड़ा खेल

प्राधिकरण की जमीन पर भू-माफियाओं का कब्जा

नोएडा(चेतना मंच)। सेक्टर-101 मेट्रो स्टेशन से 100 मीटर की दूरी पर प्राधिकरण की खाली पड़ी जमीन परि भू-माफियाओं ने कब्जा कर चारदीवारी बना डाली। बताया जाता है कि यह जमीन सोरखा के एक किसान की थी और उक्त किसान इस जमीन का प्राधिकरण से मुआवजा उठा चुका है। सूत्र बताते हैं कि सलारपुर एवं मोरना गांव के कुछ दबंग एवं भू-माफिया किस्म के लोगों की नजर इस जमीन पर काफी समय से थी। मौका मिलते ही इन लोगों ने करोड़ों रुपए मूल्य की इस जमीन पर कब्जा कर लिया। इसमें नोएडा प्राधिकरण के कुछ अधिकारियों की भी मिलीभगत बताई जा रही है।

करोड़ों रुपए मूल्य की जमीन पर कब्जा करने वाले इन भू-माफियाओं के खिलाफ शासन और प्रशासन के अधिकारी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं, यह समझ से परे है। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों और स्थानीय पटवारी की मिलीभगत से हर रोज करोड़ों रुपए मूल्य की जमीनों पर भू-माफिया कब्जा कर रहे हैं।

सलारपुर एवं मोरना के रहने वाले ये भू-माफिया काफी समय से सक्रिय थे। ये पहले भी खाली पड़ी जमीनों पर कब्जा कर वहां चारदीवारी बनाते रहे हैं और फिर उस जमीन को भोली-भाली जनता को बेचने का काम करते हैं। अब देखना यह है कि प्राधिकरण की कब्जाई गई जमीन मुक्त होती है या नहीं, यह तो आने वाला समय बताएगा।

कविता

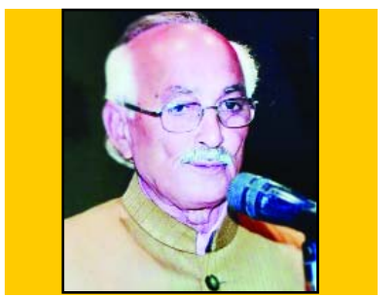

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

पुर्नमतगणना नेताजी की घरवाली ने एक
साथ तीन बच्चियों को जन्म दिया जब नर्स ने
यह शुभ समाचार उन्हें सुनाया तो नेता बड़े
जोर से चिल्लाया ऐसा कदापि नहीं हो सकता
मेरे विरोधियों ने अवश्य कुछ गड़बड़ किया है
लगता है उन्होंने मुझे ऐरा गैरा समझ लिया है।
मैं इस मामले को संसद में उठाऊंगा इसकी
पुर्नमतगणना करवाऊंगा
और चाहे जैसे हो जिस तरह से
हो यह संख्या कम करवाऊंगा।

यूपी-112 टीम को प्रदेश में दूसरा स्थान

नोएडा (चेतना मंच)। आपात स्थिति में त्वरित सहायता पहुंचाने के मामले में गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट की यूपी-112 टीम ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर पुलिस महानिदेशक (DGP) प्रशांत कुमार ने पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह और उनकी टीम को बधाई दी है।

पुलिस कमिश्नरेट का औसत रेस्पॉन्स टाइम 3 मिनट 30 सेकंड रहा, जो इसे प्रदेश की सबसे तेज़ प्रतिक्रिया देने वाली पुलिस इकाइयों में शामिल करता है। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट को इस सूची में पहला स्थान प्राप्त हुआ है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बताया कि जनपद में यूपी-112 के तहत 135 पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) वाहन संचालित होते हैं, जिनमें 71 चार पहिया वाहन शामिल हैं। इस सेवा का संचालन डीसीपी यातायात लखन सिंह की निगरानी में किया जाता है।

डायल-112 सेवा के तहत रोज़ाना पुलिस कंट्रोल रूम को 800 से 900 कॉल्स प्राप्त होती हैं। सूचना मिलते ही 71 चार पहिया और 64 दोपहिया बाइक मौके पर पहुंचकर पीड़ित को मदद उपलब्ध कराती हैं।

जनपद में छह महिला पीआरवी वाहन भी संचालित किए जा रहे हैं, जो हाईवे पर महिलाओं की सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए तैनात हैं। इसके अलावा, चार पीआरवी ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दो पीआरवी यमुना एक्सप्रेसवे पर गश्त कर रही हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता दी जा सके।

यूपी-112 सेवा केवल आपराधिक घटनाओं पर ही प्रतिक्रिया नहीं देती, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को अस्पताल पहुंचाने और उनकी जान बचाने में भी अहम भूमिका निभा रही है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, बीते महीने शहरी क्षेत्रों में 3 मिनट 28 सेकंड और ग्रामीण क्षेत्रों में 3 मिनट 31 सेकंड के औसत समय में मदद पहुंचाई गई। पुलिस की उत्कृष्ट सेवा के चलते कई बार पीआरवी टीमों को पीआरवी ऑफ द डे भी चुना जा चुका है।

सूरजपुर में नई उमंग के साथ मनेगा प्राचीन बाराही मेला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ऐतिहासिक बाराही मेला-2025 सूरजपुर में 10 अप्रैल से शुरू होगा। प्राचीनकालीन बाराही मेले को आयोजित करने वाली शिव मंदिर सेवा समिति (पजी0) की बैठक बाराही मेला प्रांगण में की गई।

सूरजपुर में सैकडों वर्षो से ऐतिहासिक गौरवपूर्ण परंपरागत अपनी भारतीय सभ्यता एंव संस्कृति को सजोए हुए ऐतिहासिक बाराही मेला-2025 पुन: इस बार 10 अप्रैल-2025 से लेकर 22 अप्रैल-2025 तक आयोजित किया जा रहा है। मेले को आयोजित करने वाली शिव मंदिर सेवा समिति (पजी0) की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। बैठक में मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग और अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता शिव मंदिर सेवा समिति सूरजपुर के अध्यक्ष चौधरी धर्मपाल भाटी प्रधान ने की और संचालन महामंत्री ओमवीर बैंसला ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष

चौधरी धर्मपाल भाटी प्रधान ने कहा कि सूरजपुर में वर्षो से लगता चला आ रहा ऐतिहासिक प्राचीनकालीन बाराही मेला की सभी तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि इस बार भी मेले में राजस्थानी लोकनृत्य, गीत संगीत के साथ साथ रागनियों की श्रंखला चलेगी। इसके अलावा, राजस्थान से आने वाले कलाकारों द्वारा लोक नृत्य और गीत.संगीत की प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। बच्चों और परिवारों के मनोरंजन के लिए कठपुतली शो, नट कला, मौत का कुआं, सर्कस, जादूगर शो और विभिन्न प्रकार के झूले लगाए जाएंगे।

शिव मंदिर मेला समिति के कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल व बाराही मेला समिति मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि इस बार लगने वाले बाराही मेला-2025 की तैयारियां पूरे जोर शोर से शुरू कर दी है। प्राचीन मंदिरों की रंगाई पुताई कर प्रति वर्ष की भांति सजाया जा चुका है।

इस मौके पर बाराही मेला समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिजेंद्र ठेकेदार, सहसचिव विनोद भाटी, उपाध्यक्ष जगदीश भाटी एडवोकेट, सह मीडिया प्रभारी लीलू भगतजी और राजवीर शर्मा, व्यवस्थापक रवि भाटी, व्यवस्थापक भोपाल ठेकेदार, संगठन मंत्री ज्ञानेंद्र देवधर, प्रचार मंत्री पवन जिंदल,सह व्यवस्थापक धर्मवीर तंवर, व्यवस्थापक महाराज सिंह उर्फ पप्पू, उप प्रचार मंत्री हरि किशन, सह व्यस्थापक ब्रहम सिंह नागर, सह व्यस्थापक तोलाराम, सह व्यस्थापक देवेंद्र देवधर और सदस्यों में प. शिवदत्त आर्य, राजेश शर्मा, सुनील शर्मा, राजपाल खटाना, रूपेश चौधरी, भंवर सिंह बैसोया, अनिल कपासिया, अज्जू भाटी, देवा शर्मा, हरि शर्मा, राजकुमार नागर, सुभाष शर्मा, रामौतार गर्ग, विशाल गोयल,रघुवीर जेसीबी, केडी गुर्जर, अवनीश सक्सेना उर्फ सोनू भैया, गौरव नागर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

अनुराग के आरोपों...

गठबंधन के लिहाज से देखें तो एनडीए के सदस्यों की संख्या 115 के करीब है। छह मनोनीत सदस्यों को भी जोड़ लें जो आमतौर पर सरकार के पक्ष में ही मतदान करते हैं तो नंबरगेम में एनडीए 121 तक पहुंच जा रहा है जो विधेयक पारित कराने के लिए जरूरी 119 से दो अधिक है। कांग्रेस के 27 और इंडिया ब्लॉक के अन्य घटक दलों के 58 सदस्य राज्यसभा में हैं।

10 मंजिला भवनों ...

सीईओ लोकेश एम ने बताया कि आग में यदि कोई फंस जाए या फिर गर्मी के मौसम में आग की घटनाओं को कैसे कम किया जाए। इसको लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। ये कार्यशाला इंदिरा गांधी कलाकेंद्र में आयोजित होगी। जिसमें फायर सेफ्टी ऑफिसर व अन्य अधिकारी हिस्सा लेंगे। वहां मौजूद लोगों को अग्निशमन के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इसी तरह बढ़ती गर्मी को देखते हुए नोएडा के प्रमुख चौराहों और बाजार में वाटर स्प्रिंकल लगाए जाएंगे। इन स्प्रिंकल से पानी की फुहार निकलेगी। ये तापमान को मेनटेन करने के साथ प्रदूषण से राहत दिलाएगी। सीईओ ने कहा कि अप्रैल के प्रथम सप्ताह में इतनी गर्मी पड़ रही है। ऐसे में आने वाले समय में तापमान बढेगा। इसलिए प्रमुख चौराहो में इस प्रकार के स्प्रिंकल लगाने का निर्णय लिया गया है।

ठेकेदारी को लेकर...

और श्याम सिंह ने कहा कि सारे विवाद की जड़ राहुल है जब तक यह नहीं मरेगा तब तक हमें कहीं यह ठेका नहीं लेने देगा। इस पर राहुल ने जान से मारने की नीयत से गोली चला दी जो उसकी जांघ में लगी और वह घायल होकर गिर गया।

राहुल के मुताबिक इसके बाद सभी लोगों ने एक राय होकर उसके तथा उसके साथियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची घटना के बाद उसे पुलिस की सहायता से दादरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पीड़ित के मुताबिक उसने थाने पर इस घटना के लिखित तहरीर दी जिस पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सुविधा कम होने की वजह से उसे जिला चिकित्सालय नोएडा में भर्ती कराया गया जहां से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। राहुल का आरोप है कि मारपीट में घायल होने के बावजूद भी दोनों पक्षों के साथ उसे भी मुलजिम बनाया गया और उसके शिकायती प्रार्थना पत्र पर पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

राहुल का कहना है कि पप्पू उर्फ श्याम सिंह एक आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है जो प्रार्थी के साथ पहले भी कई घटना कर चुका है और उससे रंजिश मानता है। राहुल के मुताबिक पुलिस में सुनवाई न होने पर उसने न्यायालय में वाद दायर कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की गुहार लगाई। न्यायालय के निर्देश पर 10 नामजद व 5 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज हुआ है। पुलिस का कहना है कि यह मामला न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया गया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

ट्रंप के टैरिफ ऐलान ...

गिरकर 23,150.30 कारोबार कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर 26 प्रतिशत तक का जवाबी शुल्क लगाने का एलान किया है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका के साथ व्यापार में अन्यायपूर्ण रवैया अपनाने वाले देशों के खिलाफ यह बड़ा कदम है। उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन पर निशाना साधते हुए यह निर्णय लिया है।

अमेरिका का ग्राहक फंस गया : खरगे

अमेरिका द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत 'पारस्परिक टैरिफ' लगाए जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी दोस्ती (अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और पीएम मोदी) और जिस तरह से वे गले मिलते हैं और बात करते हैं, उससे पता चलता है कि अमेरिका (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प) एक व्यापारी है। 'और वो हमारा ग्राहक फंस गया।'

किस देश पर...

26 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जाएगा. वहीं, चीन से आने वाले आयात पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि चीन से बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन ने वियतनाम से आयातित सामान पर 46 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्णय लिया है, जो उच्चतम दरों में से एक है। यूरोपीय संघ पर 20 प्रतिशत टैरिफ, स्विटजरलैंड पर 31 प्रतिशत और ताइवान पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। थोड़ा राहत देने वाली बात यह है कि यूनाइटेड किंगडम से आयात पर केवल 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है, जिसका कारण राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में स्थिरता हो सकती है।

ट्रक की टक्कर से...

रूप से घायल हो गई। दुर्घटना करने वाली बाइक का चालक डॉक्टर संवेंद्र राय शराब के नशे में था। घायल अनु शर्मा को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

सेक्टर-82 आरडब्ल्यूए...

पर नहीं रोका तथा वह आराम से साइकिल चोरी करके ले गया। इसके पूर्व में भी सेक्टर में 7 चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। जिसमें इसी गार्ड पर चोरों के साथ मिलीभगत का अंदेशा था। विरोधी पक्ष ने अपनी दुश्मनी निकालने के लिए इसी बात को आधार बनाकर आम राय बनाई तथा एकजुट होकर रात में करीब 9 बजे राघवेन्द्र दुबे पर हमला कर उनके साथ मारपीट की।

आरोप है कि राघवेन्द्र दुबे पर नंद किशोर सोलंकी, प्रतीक सोलंकी, कपिल सोलंकी, पंकज झा, अमितेश सिंह आदि ने हमला कर बुरी तरह मारपीट की। मारपीट की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है।

उन्होंने तुरंत फोन करके इसकी पुलिस में शिकायत की तथा प्रदेश के डीजीएम व मुख्यमंत्री को ट्वीट कर घटना की जानकारी दी। उन्होंने मांग की है कि सभी हमलावरों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर उनको गिरफ्तार किया जाए ताकि भविष्य में वे और बड़ा हमला न कर सकें।

बिना नंबर की बाइक...

सेंट्रल जोन के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना सेक्टर 63 के प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ बहलोलपुर अंडरपास पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान गढ़ी गोल चक्कर की तरफ से बिना नंबर प्लेट की यामाहा बाइक पर आ रहे दो संदिग्ध लोगों को पुलिस टीम ने चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया।

पुलिस को देखकर बाइक सवार रुकने के बजाय बाइक को तेजी से चलते हुए ग्रीन बेल्ट की साइड से एफएनजी गोल चक्कर की तरफ जाने वाली सर्विस रोड पर भागने लगे। पुलिस टीम ने बाइक सवारों का पीछा किया तो हड़बड़ाहट में उनकी बाइक फिसल कर गिर गई। खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया।

पुलिस ने घायल बदमाश निलेश चौहान पुत्र गुड्डू चौहान उर्फ सुरेंद्र सिंह निवासी फर्रुखाबाद को तमंचा कारतूस के साथ दबोच लिया। इसके पास से चार मोबाइल फोन भी बरामद हुए। पुलिस टीम ने कांबिंग के दौरान निलेश चौहान के साथी आदित्य कुमार को भी दबोच लिया। आदित्य के पास से भी मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस ने घायल निलेश चौहान को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए दोनों बदमाश शातिर स्नैचर हैं। दोनों बदमाश बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार होकर एनसीआर क्षेत्र में घूम फिर कर मोबाइल स्नैच करने की घटनाओं को अंजाम देते हैं। पकड़े गए दोनों बदमाशों ने एनसीआर में करीब 50 घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। डीसीपी ने बदमाशों को गिरफ्तार करने वाली टीम को 10000 का पुरस्कार देने की घोषणा की है।

डीसीपी ने बताया कि दूसरी मुठभेड़ थाना सूरजपुर क्षेत्र में हुई। पुलिस टीम मोजर बियर गोल चक्कर पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बिना नंबर प्लेट की बाइक पर आ रहा युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा किया तो बाइक सवार ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पकड़े गए घायल बदमाश ने अपना नाम इमरान पुत्र अली चौधरी निवासी ग्राम नाहल जनपद गाजियाबाद बताया। इसके पास से तमंचा, कारतूस बरामद हुए। डीसीपी ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शातिर चोर है और इसके खिलाफ सूरजपुर में अन्य जनपद में चोरी के करीब 14 अभियोग पंजीकृत हैं। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है और उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा जा रही है।

प्रेम जाल में फंसाकर...

मनोज के मुताबिक उनकी बेटी घर से 190000 रुपए व सोने-चांदी के जेवरात भी अपने साथ ले गई है। पीड़ित का कहना है कि उसने यह जेवरात अपनी जमीन बेचकर बेटी की शादी के लिए बनाए थे।

वहीं थाना फेस-2 क्षेत्र के सेक्टर-93 से एक नाबालिक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी के पिता ने पड़ोस में रहने वाले युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-93 में रहने वाले विनोद (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 30 मार्च को उनके (15 वर्षीय बेटी) को पड़ोस में रहने वाला आरिफ नाम का युवक बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

तीन महीने में बिके 4,698 ईवी 42 करोड़ माफ हुआ टैक्स

नोएडा (चेतना मंच)। पिछले तीन महीने में 400 करोड़ रुपये के इलेक्ट्रिक वाहन बिके हैं। परिवहन विभाग के अनुसार, इस अंतराल में यह अबतक का सबसे अधिक बिक्री है। एक जनवरी से 29 मार्च तक 4,698-वाहन पंजीकृत हुए।

इसका मुख्य कारण परिवहन विभाग की ओर से टैक्स में छूट देना बताया जा रहा है। इस छूट का लाभ लेने के लिए अब सात माह का समय बाकी है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि रिकॉर्ड संख्या में इन वाहनों की बिक्री होने की संभावना है। ई-वाहनों के पंजीकरण पर विभाग ने अबतक 42 करोड़ रुपये का टैक्स माफ किया है।

जिले में 2023 में 900 करोड़ रुपये के वाहन पंजीकृत हुए थे। 2024 में यह आंकड़ा एक हजार करोड़ तक पहुंच गया। इस वर्ष तीन माह भी पूरा नहीं हुआ है और 400 करोड़ रुपये के वाहन बिक चुके हैं। वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा काफी बड़ा होने वाला है। इस समय अवधि में चार हजार ईवी बिके हैं। सबसे अधिक ई-रिक्शा और ई-ऑटो हैं बिके हैं।

उप संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. सियाराम वर्मा बताते हैं कि ईवी की खरीद बढ़ रही तेजी सब्सिडी के बाद देखी गई है। अब सब्सिडी के केवल सात माह शेष हैं ऐसे में इसमें और भी अधिक उछाल देखने को मिल सकता है। लोग अब धीरे-धीरे काफी हद तक ईवी पर शिफ्ट होने लगे हैं।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

बिना किसी डिग्री के भी इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

आज का समय स्किल का है और इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास किसी चीज की डिग्री हो ही। अगर आप ज्यादा पढ़ाई नहीं की हैं, तो भी आप आगे बताए गए क्षेत्रों में अपना करियर चुन सकती हैं।

आजकल स्किल का दौर है। इसमें बिना डिग्री के भी करियर बनाने के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं। जरूरी नहीं कि डिग्री हमेशा सफल करियर की ही गारंटी हो। ये पहले का समय था जब बिना नॉलेज वालों को भी डिग्री के बल बूते पर नौकरी मिल जाती है। हालांकि आज के समय में ऐसा नहीं है। जिस भी व्यक्ति के पास किसी तरह का कोई भी स्किल हो तो आज वह अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। जी हां, अब कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां आप बिना डिग्री के भी सफल हो सकते हैं। इसके लिए हमने यहां पर कुछ क्षेत्रों की सूची तैयार की है, जिसके जरिए बिना डिग्री के भी करियर बनाया जा सकता है।

फोटोग्राफी में करियर?

यदि आप फोटोग्राफी के शौकीन हैं, तो आप इसे पेशेवर रूप से भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो इ स्किल को और बेहतर बनाने के लिए आप ऑनलाइन कोर्स या वर्कशॉप के माध्यम से फोटोग्राफी सीख सकते हैं। इसके बाद बतौर फोटोग्राफर आप कहीं भी काम कर सकते हैं। आज के समय में तो लोग हर छोटी से छोटी फंक्शन की भी शूटिंग कराते हैं। ऐसे मौके पर आपकी स्किल काम आ सकती है। इसके लिए आपको अच्छी पेमेंट भी मिल सकती है। आप चाहें तो धीरे-धीरे करके अपनी स्टूडियो भी ओपन कर सकते हैं।

एक्टिंग में बनाएं करियर?

अगर आपको एक्टिंग करने का शौक है, तो आप अपने टैलेंट को सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचा सकती हैं। इससे आप इंफ्लूएंसर की तरफ अपना रुख कर सकती हैं। आपको व्यूअर्स पसंद करेंगे, तो आपके फॉलोअर्स बढ़ेंगे। साथ ही, आपको सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म से फिर पेमेंट आने भी शुरू हो सकते हैं। इसके अलावा, आप घर बैठे एक्टिंग सिखाने की क्लासेस भी शुरू कर सकती हैं।

पेंटिंग में बनाएं करियर

अगर आपके अंदर पेंटिंग की स्किल है, तो आप इसमें बेहतर करियर बना सकती हैं। खास बात यह है कि इसके लिए आपको किसी डिग्री की भी आवश्यकता नहीं होगी। आप अपनी पेंटिंग बनाकर बेच सकती हैं। आपकी अच्छी पेंटिंग्स लाखों-करोड़ो रुपए में भी बिक सकती हैं। इससे आपको अपना आर्ट निखारने का मौका भी मिलेगा। इसके अलावा, आप चाहें तो ऑनलाइन या ऑफलाइन पेंटिंग लर्निंग क्लासेस भी ले सकती हैं। ऑफलाइन क्लास में आपको महीने के हिसाब से पैसे मिलेंगे। वहीं, ऑनलाइन में भी आप पेड क्लासेस ले सकती हैं। इससे आपको डबस फायदा हो सकता है।

पाना चाहते हैं सरकारी नौकरी ...तो भारत में होने वाली इन परीक्षाओं की करें तैयारी

सरकारी नौकरी की चाहत भारत में हर कोई रखता है। लोग सालों साल इनकी तैयारियों में लगे रहते हैं। सरकारी नौकरी पाने के बाद मानो लोगों के दिन बदल जाते हैं, जिस कारण देश की आबादी के लगभग 80 से 85 प्रतिशत लोग सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे रहते हैं। अगर आप यूपी और बिहार से हैं तब तो सरकारी नौकरी का महत्व आपसे बेहतर कोई नहीं समझता होगा।

जैसा की आपको पता है कि सरकारी नौकरी पाने के लिए आपको कई एग्जाम देने होते हैं, अगर आपने एग्जाम क्वालीफाई किया तभी आप उस नौकरी को पा सकते हैं। आज के आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप किन एग्जाम को देकर सरकारी नौकरी पा सकते हैं।

बैंक पीओ

अगर आप किसी सरकारी बैंक में काम करना चाहते हैं, तब आप बैंक पीओ के एग्जाम के जरिए सरकारी बैंक में काम कर सकते हैं। कुछ साल बैंक में पीओ के पद पर काम करने के बाद आपको असिस्टेंट मैनेजर का पद मिल जाता है, जिसके कुछ समय बाद आपको मैनेजर का पद भी मिल सकता है। इस पेपर को निकालने के लिए आपको इंग्लिश लैंग्वेज, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड और रीजनिंग आनी चाहिए। इस पेपर में बैठने से पहले आपको जमकर मैथ्स और रीजनिंग की तैयारी कर लेनी चाहिए।

एसएससी सीजीएल

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लगभग हर छात्र को एसएससी सीजीएल के विषय में जानकारी होती है। यह एग्जाम स्टाफ सेलेक्शन कमीशन द्वारा लिया जाता है, जिसमें मेरिट के हिसाब से अलग-अलग मिनिस्ट्री में सरकारी नौकरी मिलती है। इस परीक्षा में 1 से लेकर 4 टियर होते हैं, एग्जाम क्वालीफाई करने के लिए आपको चारों टियर पास करने होते हैं। एसएससी के पेपर में आपको जनरल अवेयरनेस, रीजनिंग, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड और इंग्लिश कंप्रीहेंशन और मैथ्स के सवाल भर-भरकर मिलते हैं।

आरबीआई ग्रेड बी

आरबीआई को भारत की एपेक्स बैंक कहा जाता है, जो अन्य सरकारी बैंकों को सुचारू रूप से चलाने का काम करती है। आप आरबीआई ग्रेड बी का एक्जाम देकर भी सरकारी नौकरी पा सकते हैं। इस एग्जाम को निकालने के लिए आपको रीजनिंग, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, इंग्लिश लैंग्वेज और जनरल अवेयरनेस को अच्छे से तैयार करना होता है। अगर आप यह एग्जाम क्लियर करते हैं तो आपको आरबीआई ऑफिसर के पद पर काम करने का मौका मिलता है, जिसके बाद आप प्रमोशन पाकर डिप्टी गवर्नर भी बन सकते हैं। इस नौकरी में सबसे ऊंची पोस्ट गवर्नर की होती है, जहां तक बहुत कम लोग पहुंच पाते हैं।

सीडीएस

यह एक्जाम यूपीएससी द्वारा ही लिया जाता है। अगर आप आर्मी में ऊंचे पदों पर जाना चाहते हैं तो इस एग्जाम को क्वालीफाई करके जा सकते हैं। इस एग्जाम को पास करने के बाद आप इंडियन मिलिट्री अकादमी, इंडियन नेवल अकादमी, ऑफीसर्स ट्रेनिंग अकादमी और इंडियन एयर फोर्स अकादमी में जा सकते हैं। इस एग्जाम के लिए आपको इंग्लिश, जनरल नॉलेज और एलिमेंट्री मैथ की अच्छी नॉलेज होनी चाहिए।

स्टेट पीसीएस

स्टेट पीसीएस का सिलेबस यूपीएससी से थोड़ा सा कम मुश्किल होता है, तो अगर आप यूपीएससी की तैयारी करते हैं तो इस परीक्षा में भी बैठ सकते हैं। इस परीक्षा को स्टेट सर्विस कमीशन के द्वारा कराया जाता है, जिसमें हर राज्य का एग्जाम पैटर्न अलग-अलग होते हैं। बाकी जानकारी के लिए आप किसी भी राज्य की स्टेट सर्विस कमीशन की ऑफिशियल साइट पर भी जा सकते हैं।

सीएपीएफ

आपको बता दें की यह एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है, जिसे क्वालीफाई करने के बाद आप अलग-अलग आर्मी फोर्स में जा सकते हैं। इस एग्जाम से आप सीधे असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर जाते हैं।

एलआईसी

एलआईसी का नाम तो हम सभी ने सुना है, आप इसका एग्जाम क्वालीफाई करके भी सरकारी नौकरी पा सकते हैं। यह एक नेशनल लेवल एग्जाम होता है, जिसे पास करने के बाद आप एलआईसी में ऊंचे पदों पर काम कर सकते हैं। इस परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं के जैसा ही होता है, इसलिए अगर आप किसी और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहें हैं तो इसके इस्जाम में भी बैठ सकते हैं।

यूजीसी नेट

अगर आप शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी नौकरी करना चाहते हैं, तो आपको यूजीसी नेट की परीक्षा देनी होगी। यूजीसी नेट एग्जाम क्वालीफाई करने के बाद आपकी आगे की रीसर्च की फंडिंग भी की जाती है। ज्यादा जानकारी के लिए आप यूजीसी की साइट पर जाकर भी चेक कर सकते हैं।

एक साथ दो इंटरव्यू क्लीयर कर लिए हैं, तो एक जॉब को इस तरह करें सेलेक्ट

अगर आपने जॉब के लिए कई जगह इंटरव्यू दिया था और आपने दो इंटरव्यू क्लीयर कर लिए हैं। तो ऐसे में आप उनमें से किसी एक जॉब को इन टिप्स को अपनाकर सलेक्ट करें।

जीवन में तरक्की पाने के लिए एक अच्छी नौकरी पाने की इच्छा तो हम सभी की होती है। इसलिए, हम अलग-अलग कंपनियों में जॉब के लिए इंटरव्यू देते हैं। अक्सर हम सभी सिर्फ एक कंपनी में रिज्यूमे नहीं देते हैं, बल्कि हर अच्छी कंपनी में काम करने के लिए अवसर तलाश करते हैं। इंटरव्यू देने के बाद उसके रिप्लाई को आने में कुछ वक्त लग जाता है। अगर आप इंटरव्यू क्लीयर कर लेते हैं तो यकीनन बेहद खुशी होती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर, अगर एक साथ दो कंपनियों से जॉब ऑफर होती है तो यह स्थिति थोड़ी दुविधाजनक हो जाती है। इस स्थिति में यकीनन आपके लिए यह तय कर पाना मुश्किल होता है कि आप किस जॉब ऑफर को एक्सेप्ट करें और किसे रिजेक्ट। हो सकता है कि आप भी ऐसी ही किसी स्थिति में उलझी हुई हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने लिए एक परफेक्ट जॉब को सलेक्ट कर सकती हैं-

लॉन्ग टर्म के बारे में सोचें

जब आप किसी जॉब ऑफर को हां कहने जा रही हैं तो ऐसे में आपको अपने लॉन्ग टर्म करियर के बारे में सोचना चाहिए। यूं तो जॉब को जल्दी भी स्विच किया जा सकता है, लेकिन जब आप एक कंपनी में जुड़ते हैं तो लंबे समय तक काम करना काफी अच्छा रहता है। इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज भी बेहतर होती है। इसलिए, किसी भी जॉब को सलेक्ट करने से पहले आपको यह देखना चाहिए कि लॉन्ग टर्म में आपको इस जॉब में आगे बढ़ने के कितने अवसर मिलेंगे।

काम और पर्सनल लाइफ पर करें गौर

हर जॉब की अपनी अलग जरूरतें होती हैं और इसलिए जब आप किसी जॉब को सलेक्ट करें तो यह देखें कि आपका काम आपकी पर्सनल लाइफ को किस तरह इफेक्ट कर रहा है। यकीनन आप अपने करियर में बेहतर ग्रोथ चाहती हैं लेकिन इसके लिए आपकी पर्सनल लाइफ डिस्टर्ब नहीं होनी चाहिए। इसलिए, जब भी आप किसी जॉब ऑफर को सलेक्ट करें तो यह अवश्य देखें कि आपकी ऑफिस टाइमिंग, काम व वर्क प्रोफाइल आपके पर्सनल लाइफ पर किस तरह असर डालेगा।

सिर्फ सैलरी पर ही ध्यान ना दें

जब हमे दो जॉब के ऑफर मिलते हैं तो यकीनन हमारा सबसे पहला फोकस सैलरी पर ही होता है। यकीनन सैलरी किसी भी जॉब सलेक्शन में एक अहम् भूमिका निभाती है। लेकिन सिर्फ सैलरी पर ही फोकस करके आप एक गलत डिसिजन ले सकती हैं। किसी भी जॉब को सलेक्ट करते समय आपको अपने काम, ऑफिस टाइमिंग, ऑफिस से घर की दूरी, पिकअप और ड्रॉप की फैसिलिटी जैसी अन्य कई छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें। इससे आपके लिए काम की जगह पर अधिक कंफर्टेबल फील होगा।

ऑफिस के माहौल को जानने का प्रयास करें

यूं तो किसी भी ऑफिस के माहौल के बारे में आप तभी जान पाती हैं, जब आप उस ऑफिस में काम करती हैं। लेकिन अगर आपको एक साथ दो जगह से जॉब ऑफर हुई है तो कोशिश करें कि आप उन दोनों कंपनी व ऑफिस के माहौल को जानने का प्रयास करें। मसलन, अगर आपका कोई जानकार उस ऑफिस में काम कर चुका है तो आप उनसे ऑफिस की खूबियों व खामियों के बारे में जानने की कोशिश करें। इसके अलावा, आप यह देखें कि उस ऑफिस में ज्वॉइन करने के बाद लोग कितने लंबे समय तक वहां पर काम करते हैं या फिर उस कंपनी में लोग जल्दी-जल्दी जॉब छोड़ते हैं। इस तरह आपको यह समझने में आसानी होगी कि उस ऑफिस में काम करना आपके लिए कितना सही है। इससे आप एक अधिक सटीक निर्णय ले पाएंगी।

ऑनलाइन जॉब ढूंढ रहे हैं तो हो जाएं सावधान...

अक्सर लोग नौकरी न मिलने पर ऐसे स्कैमर के चक्कर में फंस जाते हैं जो आपके सपनों की नौकरी को दिलाने का वादा करते हैं। हाल ही में ऐसे कई स्कैम हुए हैं जिसमें नौकरी के लालच में लोग बुरी तरह फंस चुके हैं।

आजकल लोग नौकरी के लिए ऑनलाइन कई कंपनियों में अप्लाई करते हैं। ऐसे में लोगों के साथ स्कैम बहुत अधिक होने की संभावना होती है। जॉब देने की आड़ में स्कैमर्स लोगों से लाखों पैसे ले लेते हैं और लोग उनके जाल में बुरी तरह फंस जाते हैं। सोशल मीडिया की मदद से किसी कंपनी भी में अप्लाई करने पर स्कैम भी बहुत अधिक हो रहे हैं। तो चलिए जानते हैं कि आप कैसे इन ऑनलाइन स्कैम से बच सकती हैं।

सोशल मीडिया पर करते हैं पोस्ट

इंस्टाग्राम पर या फेसबुक ऐसे कई पेज हैं जो जॉब वेकेंसी के बारे में पोस्ट करते रहते हैं। फेक अकाउंट जब नौकरी की वेकेंसी पोस्ट करते हैं तो वह एक फॉर्म की लिंक को भी अटैच कर देते हैं। इसमें वह निर्देशों का पालन करते हुए डिटेल्स को फिल करने के लिए जानकारी भी देते हैं। उसके बाद ऑनलाइन भुगतान के लिए भी कहा जाता है। ऐसे में आपको सतर्क रहना बहुत जरूरी है। जब भी आप ऑनलाइन सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फॉर्म भरें तो आपको कंपनी के वेबसाइट पर जाकर यह जरूर चेक करना चाहिए कि कंपनी में कोई वेकेंसी निकली भी है या नहीं। इसके अलावा आपको फॉर्म भरने पर अपने बैंक की डिटेल्स और पैसे का भुगतान नहीं करना चाहिए।

विदेश में नौकरी का लालच

देश में नौकरी के अलावा कई बार लोग विदेशों में भी नौकरी लेने के लालच में बुरी तरह फंस जाते हैं। जालसाज लोगों को पैसे लेकर विदेशों में नौकरी करने के लिए भेज देते हैं जहां उन्हें बंधक तक बना लिया जाता है। ऐसे में नौकरी पाने के लिए किसी भी अनजान लोगों के झांसे में ना आएं और साथ ही अच्छे से जॉब के बारे में चेक करने के बाद ही कोई कदम उठाएं।

कैसे रहें सुरक्षित?

जब सोशल मीडिया पर कोई फेक जॉब पर पोस्ट शेयर की जाती है तो स्कैमर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्लिकबेट हेडलाइन्स से लोगों को लुभाते हैं और पैसा लेकर गायब हो जाते हैं। आपको कंपनी का नाम ऑनलाइन सर्च भी देखना चाहिए और उस कंपनी से जुड़े हुए कॉन्टैक्ट मिले तो कॉल करके वेकेंसी के बारे में जरूर पूछना चाहिए। जब भी आप जॉब पोस्ट को देखें तो उसमें कोई ग्रामेटिकल मिस्टेक अगर आपको नजर आती है तो हो सकता है कि वह पोस्ट फेक हो क्योंकि अक्सर स्कैमर्स ज्यादा पढ़े नहीं होते और अंग्रेजी लिखने में गलती भी कर देते हैं इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखते हुए ही सोशल मीडिया पर जॉब के लिए अप्लाई करना चाहिए।

अश्विनी आईपीएल डेब्यू में चमके, पहली ही गेंद पर विकेट

नमन का डाइविंग कैच, बोल्ट की यॉर्कर पर नरेन बोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में पहली जीत दर्ज करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को 8 विकेट से हरा दिया। सोमवार को डेब्यूटेंट अश्विनी कुमार के 4 विकेट की बदौलत केकेआर की पारी 116 रन पर सिमट गई।

जवाब में रायन रिकेल्टन की शानदार फिफ्टी से एमआई ने 2 विकेट खोकर 121 रन बनाए और 43 बॉल रहते जीत हासिल कर ली। वानखेड़े स्टेडियम में कई मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। अश्विनी एमआई डेब्यू मैच में 4 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने। ट्रेंट बोल्ट की यॉर्कर पर सुनील नरेन बोल्ड हो गए। वेंकटेश को 2 ओवर में दो जीवनदान मिला। नमन धीर ने हर्षित राणा का डाइविंग कैच पकड़ा। कोलकाता ने पहले ही ओवर में विकेट गंवाया। ट्रेंट बोल्ट ने सुनील नरेन को ओवर की चौथी बॉल पर बोल्ड कर दिया। उन्होंने यॉर्कर बॉल फेंकी लेकिन समय से नरेन का बैट नीचे नहीं आ सका और वे बोल्ड हो गए। डेब्यू मैच खेल रहे अश्विनी कुमार ने अपनी पहली बॉल पर विकेट लिया। उन्होंने तीसरे ओवर की पहली बॉल पर कप्तान अजिंक्य रहाणे (11 रन) को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। तिलक ने दूसरे प्रयास में डाइव लगाकर कैच पकड़ा।

भारत के लिए सबसे मैच खेलने वाली हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने मंगलवार को अपने शानदार 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया।

उन्होंने कहा कि अपने चरम पर लिया गया यह फैसला उनके लिए कड़वा-मीठा और सशक्त बनाने वाला दोनों था। 32 वर्षीय अनुभवी स्ट्राइकर ने 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 158 गोल किए। वह 2020 टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं। वंदना ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, आज भारी लेकिन आभारी दिल के साथ मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से अपने संन्यास की घोषणा करती हूं। यह एक ऐसा फैसला है जो मेरे लिए कड़वा-मीठा और सशक्त बनाने वाला है।

मैं इसलिए पीछे नहीं हट रही हूं क्योंकि मेरे अंदर की आग फीकी पड़ गई है या मेरी हॉकी की ताकत खत्म हो गई है, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं अपने चरम पर पहुंचकर खेल से विदा लेना चाहती हूं, जबकि मैं अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हूं। वंदना ने लिखा, मैं थकान की वजह से हॉकी को अलविदा नहीं कह रही हूं, बल्कि मेरे पास अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनी शर्तों पर छोड़ने का विकल्प था। मेरा सिर गर्व से ऊंचा है और मेरी स्टिक की आग अभी भी धधक रही है। भीड़ का उत्साह बढ़ाना, हर गोल का रोमांच और भारत की जर्सी पहनने का गर्व हमेशा मेरी आत्मा में गूंजता रहेगा।

रोहित का सपना वनडे विश्व कप जीतना, वह इंग्लैंड जाकर भी खेले

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा के लिए आगामी टेस्ट दौरा खेलना मुश्किल लग रहा है। माना जा रहा है कि वह इंग्लैंड दौरे पर खुद ही नहीं जाएंगे। इंग्लैंड दौरे पर भारत ने 20 जून से 4 अगस्त तक 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने है। इसी बीच रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड का कहना है कि रोहित को पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्हें इंग्लैंड जाकर कप्तानी करनी चाहिए। उन्होंने पिछले दौरे पर वहां शतक बनाया था। वहां की परिस्थितियां उन्हें रास आएंगी। दिनेश लाड ने इसी दौरान रोहित के सफर और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

कोच ने कहा कि रोहित 12 साल की उम्र में उनके पास एक गेंदबाज के रूप में आए थे, लेकिन उन्हें बल्लेबाज बनाना और अब भारत को टी20 विश्व क प और चैंपियंस ट्रॉफी जिताते देखना बेहद सुखद अनुभव रहा है। कोच ने रोहित के सबसे बड़े सपने का जिक्र करते हुए कहा कि उनका अंतिम सपना वनडे विश्व कप उठाना है, जो 2023 में हम चूक गए। मेरा मानना है कि उन्हें अगले वनडे विश्व कप तक खेलना चाहिए और इसे जीतकर अपना और देश का सपना पूरा करना चाहिए।

रोहित की तकनीक और अनुभव की तारीफ करते हुए कोच ने कहा कि रोहित एक अलग तरह का खिलाड़ी है। वह तकनीकी रूप से मजबूत है और उसके पास अनुभव का खजाना है। पिछली इंग्लैंड यात्रा में उन्होंने शतक जड़ा था। मेरी राय में, उसे इंग्लैंड जाना चाहिए, अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिए और टीम का नेतृत्व अच्छे से करना चाहिए। बता दें कि 2024 में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी की थी। भारत ने 5 मैचों की सीरीज 4-1 से जीती थी।

3 क्रिकेटरों को किया गया बाहर

आईपीएल 2025 के बीच नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ज्यादातर क्रिकेटर इन दिनों आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं. लेकिन उधर उनके देश की क्रिकेट बोर्ड ने नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान कर दिया है. नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में 23 खिलाड़ियों को जगह मिली है. खास बात ये है कि इस बार 3 नए खिलाड़ियों को भी सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट दिया गया है. वहीं, 3 खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं, जिनमें से दो तो चैंपियंस ट्रॉफी खेलने वाली टीम का भी हिस्सा थे, उन्हें नए करार से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. जिन 3 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट पहली बार मिला है, उनमें सैम कॉन्स्टस, मैट कुन्हेमन और ब्यू वेब्स्टर का नाम है. वहीं 23 खिलाड़ियों की नई लिस्ट से जो 3 खिलाड़ी बाहर हैं, उनमें टॉड मर्फी, शॉन एबट और आरोन हार्डी का नाम है. इनमें से आरोन हार्डी और शॉन एबट चैंपियंस ट्रॉफी खेलने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे. हालांकि, उन्हें वहां एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था. जबकि टॉड मर्फी की बात करें तो वो श्रीलंका के पिछले दौरे पर खेली टेस्ट सीरीज में तीसरे स्पिनर की हैसियत से ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे. मगर 2025-26 में ऑस्ट्रेलिया को एशिया का दौरा नहीं करना है. सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट पाने वाले 3 नए खिलाड़ियों में सैम कॉन्स्टस की बात करें तो वो फिलहाल टेस्ट फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया का हिस्सा हैं. उन्होंने भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेलबर्न और सिडनी में 2 टेस्ट खेले थे. वहीं मैट कुन्हेमन को श्रीलंका दौरे पर मिली सफलता का फायदा मिला है.

इन खिलाड़ियों का सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट बरकरार

इंजरी से जूझते रहने के बावजूद लांस मॉरिस और झाई रिचर्ड्सन का सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट बरकरार रहा है. रिचर्ड्सन का फिलहाल रिहैब चल रहा है. उनके कंधे की तीसरी सर्जरी हुई है. जेवियर बार्टलेट को चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं मिली थी. मगर वो सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं.

2025-26 सीजन में ऑस्ट्रेलिया का प्लान: 2025-26 सीजन में ऑस्ट्रेलिया 19 बाइलेटरल टी20 मुकाबले खेलने वाला है. इसके अलावा उसे अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में शिरकत करना है. टी20 सीरीज के अलावा 2025-26 सीजन में वो 9 वनडे मुकाबले और 7 टेस्ट मैच खेलेगा. ये मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास अपने कॉन्ट्रेक्ट को अपग्रेड करने का सुनहरा अवसर होगा.

ऑस्ट्रेलिया के वो खिलाड़ी, जिन्हें मिला सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट

स्कॉट बोलैंड, जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, पैट कमिस, नाथन एलिस , कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड. ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, जोश इंग्लिस, सैम कॉन्स्टस, मैट कुन्हेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाई रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेब्स्टर, एडम जैम्पा.

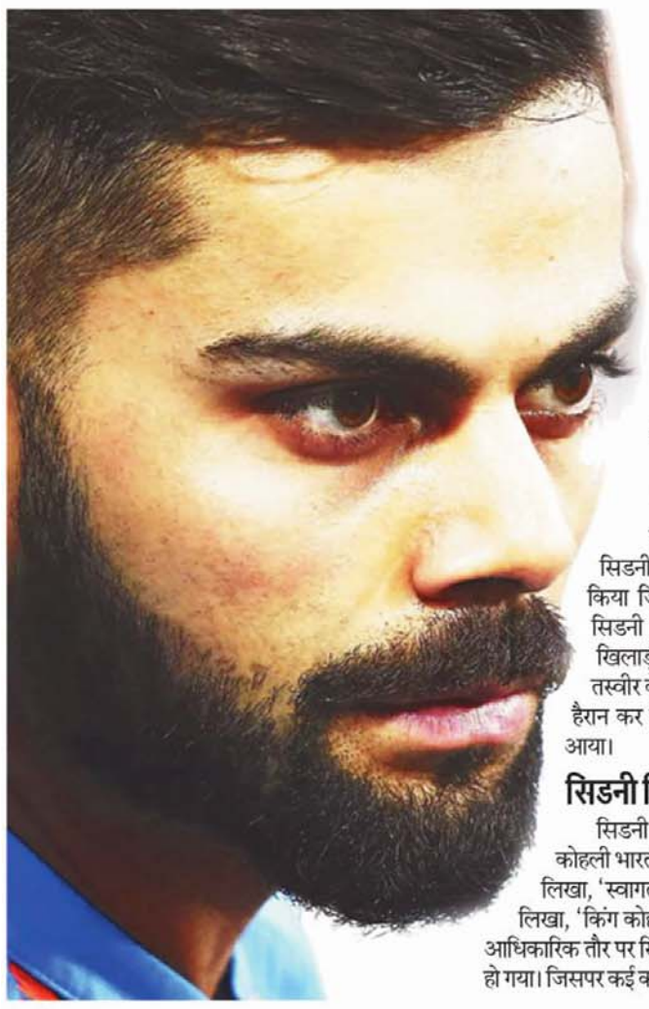

बिना संन्यास लिए

सिडनी सिक्सर्स का हिस्सा बने विराट कोहली?

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बैश लीग की टीम सिडनी सिक्सर्स ने मंगलवार सुबह को एक पोस्ट किया जिससे सोशल मीडिया तहलका मच गया। सिडनी सिक्सर्स ने इंस्टाग्राम पर भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली की तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने जो दावा किया उसने सभी को हैरान कर दिया। बाद में इस दावे का सच भी सामने आया।

सिडनी सिक्सर्स ने शेयर किया पोस्ट

सिडनी सिक्सर्स ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें कोहली भारतीय जर्सी में नजर आ रह हैं। उन्होंने तस्वीर पर लिखा, 'स्वागत विराट कोहली।' उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, 'किंग कोहली, विराट कोहली अगले दो सालों के लिए आधिकारिक तौर पर सिक्सर हैं।' महज दो घंटे में यह पोस्ट वायरल हो गया। जिसपर कई कमेंट आए।

बीसीसीआई का नियम नहीं देता इजाजत

लोग हैरान थे कि ऐसा कैसे संभव है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी तब तक किसी विदेशी लीग में नहीं खेल सकता जब तक वह संन्यास न ले लें। उन्हें संन्यास लेने के बाद बीसीसीआई से एनओसी लेना होता है। हालांकि विराट कोहली ने ऐसा कुछ नहीं किया है। उन्होंने टी20 फॉर्मेट से संन्यास तो लिया है लेकिन वह अब भी टेस्ट और वनडे टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में नियमों के अनुसार उनका किसी विदेशी लीग में खेलना संभव नहीं है। एक्स पर उनके इस पोस्ट पर यूजर ने लिखा, 'सिडनी सिक्सर्स' कोहली कब जॉइन करने वाले हैं। इसका जवाब देते हुए सिडनी सिक्सर्स ने लिखा, 'एक अप्रैल 2025।' इसके बाद फैंस को पता लग गया कि यह एक अप्रैल फूल प्रैंक है। लोगों ने सिडनी सिक्सर्स की तारीफ की और कहा कि अप्रैल फूल का सही इस्तेमाल किया।

फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप:

जू वेनजुन को टक्कर देंगी तान झोंगयी

शंघाई , चीन, एजेंसी। शतरंज की दुनिया में महिलाओं के सबसे प्रतिष्ठित खिताब महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2025 का आयोजन इस बार चीन के दो प्रमुख शहरों - शंघाई और चोंगकिंग - में किया जाएगा। मौजूदा विश्व चैम्पियन जू वेनजुन और चीन की ही चैलेंजर तान झोंगयी के बीच यह बहुप्रतीक्षित मुक़ाबला 1 से 23 अप्रैल 2025 के बीच खेला जाएगा।

यह चैंपियनशिप 12 मुकाबलों की एक क्लासिकल सीरीज के रूप में होगी। जो खिलाड़ी पहले 6.5 अंक प्राप्त करेगा, उसे विजेता घोषित किया जाएगा। यदि स्कोर 6-6 पर बराबर रहता है, तो रैपिड और आवश्यकता पड़ने पर ब्लिट्ज टाईब्रेक के माध्यम से विजेता तय किया जाएगा। जू वेनजुन मौजूदा महिला विश्व शतरंज चैंपियन हैं। उन्होंने 2018 में पहली बार तान झोंगयी को हराकर विश्व खिताब जीता था।

इसके बाद उन्होंने 2018 में नॉकआउट टूर्नामेंट, 2020 में गोऱ्याचकिना, और 2023 में लेई टिंगजी के खिलाफ अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया। जू की ताकत केवल क्लासिकल में ही नहीं है - उन्होंने 2017 और 2018 में वुमेन्स वर्ल्ड रैपिड और 2024 में वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप भी जीती है।

वे चीन की स्वर्ण पदक विजेता ओलंपियाड टीम (2016, 2018) और विश्व टीम चैंपियनशिप (2009, 2011) का हिस्सा रही हैं। तान झोंगयी ने 2017 में अन्ना मुजिचुक को हराकर विश्व खिताब जीता था और उसके बाद से वह विश्व स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। हालांकि 2018 में वे जू वेनजुन से खिताब हार गईं, लेकिन उन्होंने 2022 में वर्ल्ड रैपिड और 2024 में केर्नुस कप जैसे प्रतिष्ठित खिताब जीते। 2024 महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें इस बार की चैलेंजर बनाया।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बड़े बदलाव की ओर, टेस्ट कप्तानी से हटे ब्रेथवेट, शाई होप को टी20 की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स से नदारद रहने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट अब बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में क्रेग ब्रेथवेट ने चार साल बाद वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सोमवार को बताया कि शाइ होप को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है। 32 वर्ष के ब्रेथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह कप्तान बनाया गया था। वहीं वनडे टीम के कप्तान होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम की कप्तानी दी गई है। रोवमन पॉवेल मई 2023 से टी20 कप्तान थे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ब्रेथवेट चाहते थे कि उनके खेल को अलविदा कहने से पहले टीम बदलाव के दौर से गुजर जाए। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले उन्होंने कप्तानी छोड़ दी ताकि नये कप्तान को खुद को स्थापित करने का समय मिल जाये। नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रेस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीव्स जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा गुडाकेश मोती को भी हाल फिलहाल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिल सकता है।

राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप में हिमाचल उपविजेता

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। लखनऊ में हुई 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप के फाइनल में हिमाचल प्रदेश की टीम यूपी से कड़े मुकाबले में 19-17 से हार गई।

उत्तर प्रदेश फाइनल जीत कर पहली बार चैंपियन बनी। पहले हाफ में दोनों ही टीमों ने तेज आक्रमण किए। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई।

इस दौरान हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ियों ने कई महत्वपूर्ण मौके भी गंवाए। उत्तर प्रदेश की गोलकीपर निहारिका ने दमदार खेल दिखाते हुए कई अटैक को विफल कर दिया। यूपी की ओर से

नैना ने सबसे अधिक 6 गोल दागे। रेशमा, सुमन, प्रीति और अनन्या ने इसमें बखूबी साथ दिया। 3-3 गोल करते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। वहीं, दीया को एक गोल करने में सफलता मिली।

हिमाचल प्रदेश की ओर से जस्सी ने 6, काजल ने 5, कृतिका ने 4 और नितिका और मुस्कान ने 1-1 गोल किए। उत्तर प्रदेश की टीम ने पिछले सीजन में कांस्य पदक जीता था। समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

18 महा शक्तिपीठों में से एक है चामुंडेश्वरी मंदिर

मां दुर्गा ने यहां किया था महिषासुर का वध, मंदिर तक जाने के लिए चढ़नी पड़ेगी 1000 सीढ़ियां

मैसूर, कर्नाटक में स्थित देवी चामुंडेश्वरी का एक प्रसिद्ध मंदिर है। यह मंदिर देवी चामुंडेश्वरी को समर्पित है, जो माता दुर्गा के रूप में पहचानी जाती हैं और शक्ति की देवी के रूप में पूजी जाती हैं। चलिए चैत्र नवरात्रि के इस अवसर पर हम आपको बताते हैं इस अद्भुत मंदिर की खासियत।

मैसूर, कर्नाटक में स्थित देवी चामुंडेश्वरी का एक प्रसिद्ध मंदिर है। यह मंदिर देवी चामुंडेश्वरी को समर्पित है, जो माता दुर्गा के रूप में पहचानी जाती हैं और शक्ति की देवी के रूप में पूजी जाती हैं। चलिए चैत्र नवरात्रि के इस अवसर पर हम आपको बताते हैं इस अद्भुत मंदिर की खासियत।

राक्षस महिषासुर का वध

यह मंदिर अपनी धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। किंवदंती के अनुसार, देवी चामुंडेश्वरी ने यहीं राक्षस महिषासुर का वध किया था, जिसके बाद उन्होंने इस स्थान पर निवास किया। यह तीर्थस्थान 18 महा शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। यहां माता सती के बाल गिरे थे। मंदिर में देवी की मूर्ति को शांति, शक्ति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

बहुत पुराना है मंदिर का इतिहास

यह मंदिर करीब 1000 वर्ष पुराना और प्राचीन है। यह मंदिर मैसूर राज्य के संस्थापक, राजा चामराजा वोडेयार द्वारा 14वीं शताब्दी में पुनर्निर्मित किया गया था। हालांकि यह मंदिर पहले से ही एक पवित्र स्थल था, लेकिन दोबारा स्थापना के बाद से यहां भक्तों की भीड़ लगने लगी। पौराणिक समय में इस क्षेत्र को क्रौंच पुरी के नाम से भी जाना जाता था, इसलिए इस मंदिर को क्रौंच पीठम भी कहा जाता है।

पवित्र कुंड के जल का लेते हैं आशीर्वाद

मंदिर में एक भव्य गोपुरम प्रवेश द्वार है, जो इसे और भी खास बनाता है। वहीं, मंदिर के अंदर देवी चामुंडेश्वरी की प्रमुख मूर्ति स्थित है। मूर्ति को सोने और चांदी के आभूषणों से सजाया जाता है। मंदिर के नीचे एक पवित्र कुंड है। यहां पूजा करने के बाद श्रद्धालु कुंड का जल जरूर ग्रहण करते हैं। इस कुंड का जल पीने से सभी रोग दूर हो जाते हैं।

मंदिर में जाने के लिए चढ़नी पड़ेंगी 1000 से ज्यादा सीढ़ियां

चामुंडी पहाड़ी पर स्थित होने के कारण यहां से शहर का शानदार दृश्य देखा जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए एक पहाड़ी की चढ़ाई करनी होती है, जिसमें 1000 से ज्यादा सीढ़ियां हैं। इनसे चढ़ते हुए श्रद्धालु देवी के दर्शन करने के लिए आते हैं, जोकि काफी चुनौतीपूर्ण है। हर साल यहां रथ महोत्सव मनाया जाता है, जो अत्यधिक धूमधाम और भक्तिभाव से भरपूर होता है। मंदिर के द्वार पर एक राक्षस की विशाल मूर्ति भी बनी हुई है।

दशहरे पर लगती है खूब रौनक

यहां के प्रमुख त्योहारों में चामुंडेश्वरी जयंती, दशहरा और नवरात्रि प्रमुख रूप से मनाए जाते हैं, जब मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाती है। चामुंडेश्वरी मंदिर में सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक 'दशहरा' है, जिसे 'मैसूर दशहरा' के नाम से जाना जाता है।

चैत्र नवरात्रि की कलश में छुपा है आपके सुख-समृद्धि का रहस्य

कई लोग नवरात्रि समाप्ति के बाद कलश को लेकर कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिससे मां दुर्गा नाराज हो सकती हैं और आपकी पूरी नवरात्रि निष्फल हो सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि नवरात्रि समाप्ति के बाद कलश का क्या करना चाहिए-

पूरे देश में इस समय चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व मनाया जा रहा है। आदि शक्ति मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जा रही है। जैसा कि,आप जानते है कि चैत्र नवरात्रि के पहले दिन विधि-विधान से घटस्थापना की जाती है।

ऐसा माना जाता है कि जिस घर में घटस्थापना होती है, वहां मां दुर्गा स्वयं पधारती हैं और घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है, लेकिन कई लोग नवरात्रि समाप्ति के बाद कलश को लेकर कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिससे मां दुर्गा नाराज हो सकती हैं और आपकी पूरी नवरात्रि निष्फल हो सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि नवरात्रि समाप्ति के बाद कलश का क्या करना चाहिए। नवरात्रि समाप्ति के बाद कलश का क्या करना चाहिए-

कलश में रखे जल का छिड़काव

नवरात्रि समाप्ति के बाद जब भी कलश हटाएं, तो कलश में रखे जल का छिड़काव पूरे घर में कर लें और बचे जल को तुलसी के पौधे में डाल दें. यह शुभ माना जाता है और इससे घर से नकारात्मक प्रभाव समाप्त हो जाता है। अगर मिट्टी का कलश है, तो उसे जल में प्रवाहित कर दें और उस मिट्टी के कलश को दोबारा किसी पूजा में उपयोग न करें।

तिजोरी में रखें सिक्का

कलश में एक सिक्का भी डाला जाता है। नवरात्रि समाप्ति के बाद उस सिक्के को लाल कपड़े में बांधकर अपने घर या दुकान की तिजोरी में रख लें, इससे हमेशा माता लक्ष्मी की कृपा आप पर सदैव बनी रहेगी और आर्थिक उन्नति होगी।

जल में प्रवाहित कर दें नारियल

कलश के ऊपर रखा नारियल नवरात्रि समाप्ति के बाद जल में प्रवाहित कर दें या लाल कपड़े में बांधकर अपने पूजा घर में रख लें। कहा जाता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है। लेकिन, भूलकर भी उस नारियल को प्रसाद के रूप में ग्रहण न करें, अन्यथा मां दुर्गा नाराज हो सकती हैं।

ईशान कोण में रखें अक्षत

पूजा-पाठ में अक्षत का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि समाप्ति के बाद कलश हटाने के बाद अक्षत को लाल कपड़े में बांधकर घर के मुख्य द्वार पर बांध दें। यह उपाय आपको हर बुरी नजर से बचाएगा और घर परिवार में माता रानी की असीम कृपा बनी रहेगी।

अप्रैल में सूर्य और मंगल करने वाले हैं राशि परिवर्तन, किन राशि वालों की चमकेगी किस्मत!

अप्रैल माह में ग्रहों के राजा भगवान सूर्य और भूमि पुत्र मंगल राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। इन दोनों ग्रहों का राशि परिवर्तन ज्योतिष शास्त्र में बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। सूर्य और मंगल के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि के जातकों का भाग्य चमक सकता है। आइए जानते हैं इन लकी राशियों के बारे में।

अप्रैल का ये महीना ग्रहों के गोचर के लिहाज से बहुत ही महत्वपूर्ण होने वाला है। इस माह में दो बड़े ग्रह राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। ये दो बड़े ग्रह हैं भगवान सूर्य और भूमि पुत्र मंगल। ज्योतिष शास्त्र में इन दोनों का राशि परिवर्तन बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में भगवान सूर्य को आत्मा, ऊर्जा और आत्मविश्वास का कारक माना जाता है, जबकि मंगल पराक्रम, शक्ति और साहस का प्रतीक कहा जाता है।

भगवान सूर्य अभी गुरु बृहस्पति की राशि मीन में गोचर कर रहे हैं, जबकि मंगल ग्रहों के राजकुमार बुध की राशि मिथुन में विराजमान हैं। अभी चैत्र नवरात्रि चल रही है। इसी में मंगल का राशि परिवर्तन हो जाएगा। मंगल कल यानी तीन अप्रैल को मिथुन से चंद्रमा के स्वामित्व वाली राशि कर्क में प्रवेश कर जाएंगे। वहीं भगवान सूर्य 14 अप्रैल सुबह 3 बजकर 30 मिनट पर मीन से मेष राशि में जाएंगे। भगवान सूर्य के राशि परिवर्तन करने के साथ ही खरमास खत्म हो जाएगा। यही नहीं मंगल और भगवान सूर्य के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि वालों की किस्मत चमक सकती है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

मेष राशि- मंगल और भगवान सूर्य का राशि परिवर्तन मेष वालों के लिए शुभ साबित हो सकता है। ऐसे में मेष राशि के जातकों को सुखों की प्राप्ति हो सकती है। साहस बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति सुधर सकती है। समाज में मान-सम्मान बढ़ सकता है। इस दौरान मेष राशि के जातक वाहन या संपत्ति खरीद सकते हैं।

तुला राशि-मंगल और भगवान सूर्य का राशि परिवर्तन तुला वालों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। इस दौरान तुला राशि वालों काम-कारोबार में सफलता मिल सकती है। प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। कारोबारी जातकों को नई डील मिल सकती है, जिससे उनको लाभ प्राप्त हो सकता है। बेरोजगार जातकों को नौकरी मिल सकती है।

मीन राशि- मंगल और भगवान सूर्य का राशि परिवर्तन मीन वालों के लिए बहुत अनुकूल साबित हो सकता है। इस दौरान मीन राशि वालों को अचानक धन का लाभ हो सकता है। निवेश और कारोबार शुरू करने के लिहाज से ये समय अच्छा रहने वाला है। संतान से संबंधित कोई अच्छा समाचार मिल सकता है।

कब मनाई जाएगी अक्षय तृतीया, जानें शुभ मुहूर्त और महत्व

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया मनाई जाती है। हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन दान-पुण्य और अच्छा कार्यों का क्षय नहीं होता है। ज्योतिष के अनुसार, अक्षय तृतीया पर अबूझ मुहूर्त होता है, इस दिन शुभ कार्य किए जाते हैं। अक्षय तृतीया पर सोना, संपत्ति, भवन और गाड़ी खरीदना शुभ होता है। अक्षय तृतीया पर माता लक्ष्मी की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा करने से व्यक्ति को अक्षय धन की प्राप्ति होती है और घर में सुख-समृद्धि बनीं रहती है। आइए आपको बताते हैं शुभ मुहूर्त और इसका महत्व

अक्षय तृतीया कब मनाई जा रही है?

हिंदू पंचांग के अनुसार, 29 अप्रैल को शाम 5.32 बजे से तृतीया तिथि शुरु होगी और 30 अप्रैल को दोपहर 2.13 बजे तक तृतीया तिथि रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, अक्षय तृतीया 30 अप्रैल, दिन बुधवार को मनाई जाएगी। अक्षय तृतीया के दिन अबूझ मुहूर्त होता है इसलिए इस दिन आप कोई भी शुभ कार्य कर सकते हैं। शास्त्रों में इसे युगादि तिथि कहा गया है, यानी इस दिन युग की शुरुआत हुई थी इसलिए इस दिन कोई मुहूर्त दोष नहीं माना जाता है।

अक्षय तृतीया का मुहूर्त क्या है?

वैसे तो अक्षय तृतीया दोपहर 2.13 बजे समाप्त हो जाएगी। उदया तिथि के अनुसार पूरे दिन अक्षय तृतीया का महत्व रहने वाला है। लेकिन आप दोपहर 2.13 बजे तक उत्तम मुहूर्त तक ही धर्म-कर्म, खरीदारी, दान-पुण्य और नया काम शुरु के लिए बेस्ट रहेगा।

अक्षय तृतीया का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन धरती पर गंगा मैया का अवतरण हुआ था। इसी दिन से सतयुग, द्वपरयुग, त्रैतायुग की शुरुआत की गणना की जाती है। इतना ही नहीं, इस दिन भगवान विष्णु के दशावतार में से छठे रुप में भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। इसके अतिरिक्त, अक्षय तृतीया के दिन से उत्तराखंड में स्थित चार धामों की यात्रा भी शुरु होती है। गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खोले जाते हैं। माना जाता है कि अक्षय तृतीया तिथि पर किए गए कार्यों में दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ोतरी होती है। इस दिन पाप कर्म नहीं करना चाहिए।

चैत्र नवरात्रि की कन्या पूजन में बच्चियों को दें उपहार में ये वस्तुएं, माता रानी की होगी कृपा

कन्या पूजन कुछ लोग अष्टमी को तो कुछ लोग नवमी तिथि के दिन करते हैं। ऐसे में अगर आप घर आई कन्याओं को यह उपहार देते हैं, तो इससे आपको माता रानी की विशेष कृपा मिल सकती है। आइए जानें किन चीजों को देना शुभ होता है।

जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा को समर्पित चैत्र नवरात्रि हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से लेकर नवमी तिथि तक मनाया जाता है। नवरात्र में कन्या पूजन का भी बहुत महत्व है। कन्या माता दुर्गा का ही रूप होती है।कन्या पूजन कुछ लोग अष्टमी को तो कुछ लोग नवमी तिथि के दिन करते हैं। कन्या पूजन में कन्याओं को भोजन कराया जाता है और उनकी पूजा की जाती है। इसके साथ अपनी क्षमतानुसार दान और उपहार दिया जाता है।

ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से साधक को मां दुर्गा का आशीर्वाद मिलता है। ऐसे में अगर आप घर आई कन्याओं को यह उपहार देते हैं, तो इससे आपको माता रानी की विशेष कृपा मिल सकती है। आइए जानते है चैत्र नवरात्रि में घर आई कन्याओं को क्या उपहार देना शुभ हो सकता है। घर आई कन्याओं को कन्या पूजन पर दें ये तोहफे:

लाल लहंगा या साड़ी

घर आई कन्याओं को कन्या पूजन पर लाल लहंगा या साड़ी उपहार के रूप में दे सकते है। इन पारंपरिक कपड़ों से न सिर्फ उन्हें सजाया जा सकता है, बल्कि वे इन कपड़ों को पहनकर वे त्योहार का आनंद भी उठा सकती है। इन कपड़ों के साथ बिंदी, चूड़ी आदि भी जरूर दें।

स्टडी किट

कंचक पर कन्याओं को तोहफे देने के लिए आप स्टडी किट भी खरीद सकते है। इसका इस्तेमाल वे अपनी पढ़ाई के लिए कर सकती है। इसके अलावा, आप लंच बॉक्स या पानी की बोतल भी दे सकते हैं।

खिलौने या डॉल

घर आई कन्याओं को कन्या पूजन पर उपहार के रूप में खिलौने या डॉल भी दे सकते है। बच्चियों को डॉल बहुत पसंद होती है। आप उन्हें बार्बी या अन्य डॉल

खरीदकर दे सकते है। इसके अलावा, आप कमरे की सजावट के लिए कुछ प्यारे सजावटी सामान, जैसे रंग-बिरंगी दीये, क्राफ्ट सामान या वॉल स्टिकर भी दे सकते हैं।

मेकअप का सामान

कन्या भोज कराने के बाद आप कन्याओं को उपहार में मेकअप का सामान भी भेंट में दे सकते है। यह श्रृंगार सामग्री पहले माता को अर्पित करें औ फिर छोटी-छोटी कन्याओं में बांट दें। मान्यता है कि कन्याओं द्वारा ग्रहण की गई श्रृंगार के सामान सीधे मां द्वारा स्वीकार कर ली जाती है।

कब खत्म होगा खरमास? देखें विवाह की शुभ तिथियां

अभी ग्रहों के राजा भगवान सूर्य गुरु बृहस्पति की राशि मीन में गोचर रहे हैं। इसलिए अभी खरमास चल रहा है, लेकिन अप्रैल के इस महीने में भगवान सूर्य मेष राशि में प्रवेश कर जाएंगे।

हिंदू धर्म में खरमास की अवधि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। खरमास करीब एक महीने तक रहता है। इस दौरान शुभ कामों जैसे- विवाह, मुंडन संस्कार गृह प्रवेश, जनेऊ आदि करना अशुभ माना गया है। खरमास भगवान सूर्य के गुरु बृहस्पति की राशि धनु या मीन राशि में प्रवेश करने बाद लगता है। भगवान सूर्य अभी मीन राशि में गोचर कर रहे हैं। इसलिए अभी खरमास चल रहा है। ऐसे में आइए जानते हैं कि अप्रैल माह में खरमास कब खत्म होगा। इस महीने में विवाह की शुभ तिथियां कब-कब हैं।

खरमास कब खत्म हो रहा है?

दरअसल, खरमास पिछले महीने 14 मार्च को भगवान सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करने के साथ शुरू हुआ था। इस महीने में भगवान सूर्य 14 अप्रैल को तड़के 3 बजकर 30 मिनट पर मीन राशि से निकलकर राशि चक्र की पहली और भूमि पुत्र मंगल के स्वामित्व वाली राशि मेष में प्रवेश करेंगे। भगवान सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करते ही खरमास समाप्त हो जाएगा। इसके बाद 14 अप्रैल से विवाह समेत तमाम शुभ कामों की शुरुआत हो जाएगी।

अप्रैल विवाह शुभ तिथि और मुहूर्त

अप्रैल माह में विवाह का पहला शुभ मुहूर्त 14 तारीख को पड़ रहा है। इस दिन वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया है।

अप्रैल माह में विवाह का दूसरा शुभ मुहूर्त 16 तारीख को पड़ रहा है। इस दिन वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की तृतिया और चतुर्थी है।

अप्रैल माह में विवाह का तीसरा शुभ मुहूर्त 18 तारीख को पड़ रहा है। इस दिन वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी और षष्ठी है।

अप्रैल माह में विवाह का चौथा शुभ मुहूर्त 19 तारीख को पड़ रहा है। इस दिन वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी और सप्तमी है।

अप्रैल माह में विवाह का पांचवा शुभ मुहूर्त 20 तारीख को पड़ रहा है। इस दिन वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी और अष्टमी है।

अप्रैल माह में विवाह का छठा शुभ मुहूर्त 21 तारीख को पड़ रहा है। इस दिन वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी और नवमी है।

अप्रैल माह में विवाह का सातवां शुभ मुहूर्त 25 तारीख को पड़ रहा है। इस दिन वैशाख माह कृष्ण पक्ष की द्वादशी और त्रयोदशी है।

अप्रैल माह में विवाह का आठवां शुभ मुहूर्त 29 तारीख को पड़ रहा है। इस दिन वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की द्वितीया और तृतीया है।

अप्रैल माह में विवाह का नौवा और अंतिम शुभ मुहूर्त 30 तारीख को पड़ रहा है। इस दिन वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया और चतुर्थी है।

अक्षय तृतिया पर अबूझ मुहूर्त

इस बार अप्रैल के महीने में विवाह के कुल नौ शुभ मुहूर्त हैं, लेकिन इसी में एक ऐसा भी मुहूर्त है, जिसको अबूझ मुहूर्त कहा जा रहा है। ये अक्षय तृतिया है। अक्षय तृतिया के दिन कोई भी शुभ और मांगलिक काम बिना मुहूर्त देखे किए जा सकते हैं। इस दिन किए गए शुभ और मांगलिक काम का दोगुना फल मिलता है। इस साल अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को मनाई जाएगी।

पति का धर्म

श्रीअरविंद आश्रम में श्रीमां के दर्शन व उनसे मार्गदर्शन लेने के लिये श्रद्धालुओं का हुजूम पांडिचेरी में लगा रहता था।

एक बार एक सुशिक्षित बंगाली सज्जन श्रीमां से मिलने आए। बातचीत में उन्होंने शिकायत की कि मैं अपनी पत्नी के असभ्य व्यवहार से परेशान हूं।

श्रीमां ने उनसे पूछा, 'तुम्हारे विवाह को कितने साल हो गए हैं?'

व्यक्ति बोला, 'करीब बीस वर्ष।'

श्रीमां ने पूछा इन दो दशकों में क्या तुमने उन्हें सभ्य बनाने के प्रयास किए? तुमने घर चलाने, बच्चों की शिक्षा, सुख-सुविधाओं पर खूब खर्च किया होगा। बताना कि क्या तुमने एक प्रतिशत धन भी उसे सभ्य और शिक्षित बनाने में व्यय किया? यदि तुम ऐसा करते तो निश्चय ही उसके असभ्य रहने की शिकायत तुम नहीं करते।

श्रीमां ने कहा कि स्त्री केवल बच्चे पैदा करने, खाना बनाने की मशीन नहीं है। उसने आपके बच्चों को पढ़ा-लिखाकर सभ्य बनाया है। हमें उसकी गरिमा का सम्मान करना चाहिए।

- प्रस्तुतिः डॉ. मधुसूदन शर्मा

गौरी खान ने 11.61 करोड़ में बेचा अपना लग्जरी फ्लैट

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान एक कामयाब बिजनेसवुमन हैं। हाल ही में उन्होंने मुंबई के शानदार दादर वेस्ट इलाके में अपना लग्जरी फ्लैट 11.61 करोड़ रुपये में बेच दिया।

इतने करोड़ का हुआ मुनाफा

खास बात ये है कि इस डील से उन्हें ढाई साल में तीन करोड़ 10 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गौरी ने ये प्रॉपर्टी मार्च 2025 में बेची। ये फ्लैट मुंबई के दादर वेस्ट में कोहिनूर अल्टिसिमो बिल्डिंग में है, जिसे कोहिनूर सीटीएनएल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने बनाया है। ये एक तैयार रिहायशी प्रोजेक्ट है, जिसमें 2.5 बीएचके, थ्री बीएचके और 3.5 बीएचके फ्लैट्स उपलब्ध हैं।

37 फीसदी का हुआ मुनाफा

गौरी ने इस फ्लैट को अगस्त 2022 में आठ करोड़ 50 लाख रुपये में खरीदा था। ढाई साल में इसकी कीमत 37 फीसदी बढ़ गई और अब ये 11.61 करोड़ रुपये में बिका। इस डील से गौरी की बिजनेस समझ साफ झलकती है।

मन्नत में बदलाव का दौर जारी

ये डील तब हुई है जब शाहरुख और गौरी अपने मशहूर बांद्रा वाले घर मन्नत को नया रूप देने में जुटे हैं। खबर है कि मन्नत की मरम्मत और विस्तार का काम चल रहा है, जिसके चलते शाहरुख का परिवार अस्थायी तौर पर पाली हिल के शानदार डुप्लेक्स फ्लैट्स में शिफ्ट हो गया है।

पिछले साल ली थी मंजूरी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मन्नत का ये नवीकरण लंबे समय तक चलेगा। गौरी ने नवंबर 2024 में महाराष्ट्र कोस्टल जोन मैनेजमेंट अथॉरिटी से मंजूरी लेकर मन्नत के एनेक्सी में दो अतिरिक्त मंजिलें जोड़ने का प्लान बनाया था। अब ये बदलाव मन्नत को और भव्य बनाने की तैयारी में है।

आर बाल्की की नई फिल्म में काम करेंगी कृति सेनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन को आखिरी बार 2024 की फिल्म दो पत्ती में देखा गया था। दर्शकों को बेसब्री से कृति की नई फिल्म का इंतजार है। अब कृति को हाल ही में मुंबई के बांद्रा में फिल्म निर्माता आर बाल्की के ऑफिस में देखा गया। कृति और निर्देशक की इस मुलाकात से इन अटकलों को हवा मिली कि जल्द ही वे दोनों साथ में किसी प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं।

आर बाल्की के साथ करेंगी नई फिल्म पर काम?

नए प्रोजेक्ट की अफवाहों को हवा देने के अलावा कृति के आर बाल्की के ऑफिस जाने के दौरान अपने लुक से भी सुर्खियां बटोरीं। इस दौरान वह अपने फैशनेबल लुक में नजर आई। यूजर्स को उम्मीद है कि आर बाल्की और कृति साथ में काम कर सकते हैं। हालांकि, इस बारे में न तो आर बाल्की की ओर से और न ही कृति सेनन की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी सामने आई है।

कृति का लुक

कृति सेनन ने इस दौरान पैपराजी का अभिवादन किया, लेकिन अभिनेत्री ने तस्वीरें लेने के लिए रुकी नहीं और जल्दी में थीं। कृति को बैगी डेनिम्स, मैचिंग हैंडबैग और गहरे रंग के सनग्लासेस के साथ ग्रे स्लीवलेस टॉप में देखा गया। इससे पहले द क्रू के एक साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए कृति ने अपने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो शेयर किया था। इसमें वह अपने बालों को छोटा करती हुई दिखाई दे रही थीं।

तेरे इश्क में फिल्म में नजर आएंगी कृति

इस बीच, कृति आनंद एल राय की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें वह साउथ सुपरस्टार धनुष के साथ अभिनय कर रही हैं। यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। जनवरी में जारी किए गए टीजर में कृति को एक रहस्यमय भूमिका में दिखाया गया था।

नंदमुरी बालकृष्ण की अखंडा 2-तांडवम में हुई विद्या बालन की एंट्री

साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु की फिल्म अखंडा के दूसरे पार्ट की घोषणा की जा चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि अब इस फिल्म में उस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हुई है, जिन्हें आप इस किरदार में खूब पसंद करेंगे।

फिल्म में हुई विद्या बालन की एंट्री

नतासिम्हा नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म अखंड की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी अखंड 2 – थंडवम की शूटिंग में व्यस्त हैं। बोयापति श्रीनु के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तेजी से तैयार हो रही है। एक खबर के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन को फिल्म में एक अहम किरदार के लिए चुना गया है। कहा जा रहा है कि वह एक राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी। यह बालकृष्ण के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी, इससे पहले वह एनटीआर की बायोपिक में उनके साथ काम कर चुकी हैं। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

महाकुंभ के दौरान शुरू हुई थी फिल्म की शूटिंग

अखंडा का दूसरा पार्ट अखंडा 2 आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जा चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया था और महाकुंभ मेले में अखंडा 2– तांडवम के कुछ महत्वपूर्ण एपिसोड शूट किए गए थे। फिल्म अखंडा 2 पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी। इसे हिंदी, अंग्रेजी के अलावा कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में प्रज्ञा जैसवाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण 14 रील्स प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपीचंद अचंता ने किया है। फिल्म का संगीत थमन ने तैयार किया है। यह फिल्म 25 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लोगों को देखना और सीखना अभिनय को आसान बनाता है

किसी भी किरदार को जीवंत बनाने के लिए सिर्फ डायलॉग्स याद रखना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस दुनिया को समझना भी जरूरी होता है, जिसमें वह किरदार रहता है। खासकर जब कोई कलाकार किसी संस्कृति से जुड़ा किरदार निभा रहा हो, तो उसे गहराई से समझने के लिए बारीकी से लोगों का हावभाव समझना बेहद जरूरी हो जाता है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' में गौरी की भूमिका निभा रहीं ईशा पाठक का मानना है कि अभिनय में वास्तविकता लाने के लिए लोगों को देखना और समझना सबसे उपयोगी कला है। ईशा पाठक बताती हैं कि लोगों का अवलोकन करने से कलाकारों को अपने अभिनय में गहराई लाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, जब हम लोगों को करीब से देखते हैं, तो हमें उनकी बोली, हाव-भाव, आम बोलचाल के शब्द और भावनाएं व्यक्त करने का तरीका समझ में आता है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' एक प्रेरणादायक कहानी है, जो गौरी नाम की बहादुर और विनम्र लड़की के संघर्ष और साहस को दिखाती है। अनचाहे विवाह में बंधकर बुंदेला परिवार की बहू बनने वाली गौरी, अपनी सूझबूझ और आत्मविश्वास से अपनी किस्मत खुद लिखने का फैसला करती है। ईशा पाठक, सावी ठाकुर और स्वाति शाह द्वारा अभिनीत. यह दिल छू लेने वाली कहानी हर सन नियो पर प्रसारित होती है।

एकता कपूर चाहती तो मेरा करियर खत्म कर सकती थीं

अभिनेत्री बरखा बिष्ट ने हाल ही में अपने और एकता कपूर के विवाद को याद किया। बरखा ने हाल ही में बालाजी टेलीफिल्म्स धारावाहिक छोड़ने के बाद निर्माता एकता कपूर द्वारा मुकदमा दायर किए जाने को याद किया। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि एकता कपूर उनका करियर खत्म कर सकती थीं, लेकिन उन्होंने ऐसा किया नहीं। साथ ही बरखा ने साझा किया कि लंबे समय तक केस लड़ने के बाद भी इस बात का जिक्र उन्होंने अपने घर में नहीं किया।

कानूनी नोटिस से घबरा गई थीं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने हाल ही में एक साक्षात्कार में खुलासा किया कि एकता ने उन पर तब मुकदमा दायर किया जब वह सिर्फ 23 साल की थीं। एकता के वकीलों द्वारा उन्हें लगातार फोन करके और कानूनी नोटिस भेजे जाने के बाद वह घबरा गई थीं। सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में बरखा ने कहा, मैंने घर पर किसी को नहीं बताया। मैंने एक वकील किया और केस लड़ा। समय के साथ उन्हें एहसास हुआ कि यह व्यर्थ है। मैं आभारी हूं कि उन्होंने पीछे हटना शुरू कर दिया। उस समय, एकता के पास आपके करियर को बनाने या बिगाड़ने की शक्ति थी। आज भी है। केस लगभग एक साल तक चला और मैंने अपने नए शो की शूटिंग जारी रखी, साथ ही कोर्ट की सुनवाई में भी गई। एकता कपूर पीछे हट गई बरखा ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार को मुकदमे के बारे में नहीं बताया। अभिनेत्री ने कहा, घर पर लड़ने और मुंबई आने के बाद, आप वापस जाकर शिकायत नहीं कर सकते। मैं जो भी करूंगी, खुद करूंगी के गर्व के साथ आई थी। इसलिए, मुझे इसे खुद ही संभालना पड़ा। एक न्यूकमर के रूप में, मेरा करियर खत्म हो सकता था, लेकिन किसी दैवीय शक्ति की वजह से एकता पीछे हट गई। अगर वह चाहतीं, तो मेरा करियर खत्म कर सकती थीं।

बरखा बिष्ट का वर्क फ्रंट

बरखा बिष्ट के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार वेब सीरीज 'पावर ऑफ पांच' में देखा गया था, जिसमें रीवा अरोड़ा, जयवीर जुनेजा, आदित्य अरोड़ा, अनुभा अरोड़ा, बियांका अरोड़ा, यश सहगल और उर्वशी ढोलकिया जैसे कलाकार शामिल हैं। बरखा ने अपना करियर 'कितनी मस्त है जिंदगी' से शुरू किया, इसके बाद वह कई सारे टीवी सीरियल और फिल्मों में नजर आई।

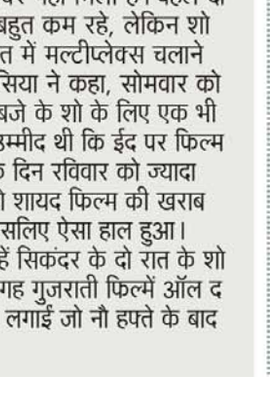

पुलकित सम्राट ने शुरू किया फिल्म 'राहु केतु' का शूट

अभिनेता पुलकित सम्राट ने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपनी नई फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। यह फिल्म अभिनेता के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए उन्हें दोबारा से अपने पसंदीदा को-एक्टर के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। अभिनेता पुलकित सम्राट ने रोमांटिक, कॉमेडी, ड्रामा सभी तरह की फिल्में की हैं। अब वह एक फिल्म 'राहु केतु' का भी हिस्सा बने हैं। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में अभिनेता ने शुरू की है। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी पुलकित ने साझा की हैं। इस फिल्म में उनके एक पसंदीदा को-एक्टर भी अभिनय कर रहे हैं।

तस्वीरों संग साझा किया मैसेज

पुलकित सम्राट ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'राहु केतु' फिल्म की शूट शुरू होने की जानकारी दी है। साथ ही फिल्म के सेट से कई तस्वीरें भी साझा की हैं। इसमें उनके साथ कुछ नामी को-एक्टर भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ पुलकित ने कैप्शन में एक मैसेज भी लिखा है, 'कुछ इसे भाग्य कहते हैं, तो कुछ इसे राहु केतु का खेल कहते हैं और ये आपकी जिंदगी में भी जल्द ही प्रवेश करेंगे।' आगे वह लिखते हैं, ' फिल्म की शूटिंग शुरू हुई।' इस फिल्म को विपुल विग निर्देशित कर रहे हैं।

पुरानी फिल्म के को-एक्टर का मिला साथ

फिल्म 'राहु केतु' में पुलकित सम्राट को अपनी पुरानी और हिट फिल्म 'फुकरे' के को-एक्टर वरुण शर्मा के साथ काम करने का मौका मिला है। ये दोनों पहले से काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों पर्दे पर साथ में काफी अच्छा अभिनय करते हैं। इनके अलावा फिल्म में शालिनी पांडे भी हैं।

एक अन्य फिल्म में व्यस्त पुलकित

फिल्म 'राहु केतु' के अलावा पुलकित सम्राट 'ग्लोरी' नाम की फिल्म भी कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए इन दिनों वह काफी मेहनत कर रहे हैं। वह इन दिनों बॉक्सिंग की प्रैक्टिस भी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में वह एक बॉक्सर का रोल करेंगे।

सिकंदर को लगा एक और झटका, दूसरी फिल्मों से बदले गए शोज

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सिकंदर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। फिल्म ने टिकट खिड़की पर अब तक काफी कम कमाई की है। कई जगहों पर दूसरे फिल्मों से इसके शोज को बदले जाने की खबरें हैं। सलमान खान की फिल्म सिकंदर को लेकर जो उम्मीदें थीं वो बॉक्स ऑफिस पर धरी की धरी रह गई। 30 मार्च को रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों का वो प्यार नहीं मिला जैसा सलमान की दूसरी फिल्मों को ईद के मौके पर मिल चुका है। फिल्म के बारे में लोगों की प्रतिक्रिया सकारात्मक नहीं है। दूसरे दिन भले ही फिल्म की कमाई में थोड़ी बढ़त दिखी, लेकिन तीसरे दिन का रुझान बता रहा है कि छुट्टियां खत्म होते ही फिल्म का कलेक्शन और नीचे ही जाएगा। इस वजह से सिनेमाघरों ने सिकंदर के शो कम करने शुरू कर दिए हैं और उसकी जगह पुरानी हिट फिल्मों को फिर से लाया जा रहा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि कई जगहों पर सिकंदर के शो में दर्शक नहीं पहुंच रहे, जिसके चलते उन्हें रद्द करना पड़ा। हालांकि, ट्रेड सूत्रों के हवाले से खबर में बताया है कि मुंबई में कोई शो रद्द होने की खबर नहीं मिली है। पहले दो दिन कुछ शो में दर्शक बहुत कम रहे, लेकिन शो रद्द नहीं हुए। वहीं, सूरत में मल्टीप्लेक्स चलाने वाले कीर्तिभाई टी वाघासिया ने कहा, सोमवार को सुबह नौ बजे और 10 बजे के शो के लिए एक भी टिकट नहीं बिका। मुझे उम्मीद थी कि ईद पर फिल्म चलेगी, लेकिन रिलीज के दिन रविवार को ज्यादा टिकट बिके। सोमवार को शायद फिल्म की खराब बातें तेजी से फैल गईं, इसलिए ऐसा हाल हुआ। कीर्तिभाई ने कहा कि उन्हें सिकंदर के दो रात के शो हटाने पड़े और उनकी जगह गुजराती फिल्में ऑल द बेस्ट पांड्या और उम्बारो लगाईं जो नौ हफ्ते के बाद भी अच्छी चल रही है।

बॉटेनिकल गार्डन बस स्टैंड की होगी रिमॉडलिंग: डॉ. लोकेश एम

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-38ए स्थित बॉटेनिकल गार्डन बस स्टैंड को व्यवस्थित और आकर्षण बनाने के लिए इसकी रि मॉडलिंग की जाएगी। स्काइमॉर्क के पास नाले से काफी बदबू आ रही है। जिस भी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी का नाला इसमें प्रवाहित हो रहा है उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश सीईओ प्राधिकरण लोकेश एम ने दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ बुधवार को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे का भ्रमण किया।

निरीक्षण के दौरान एक्सप्रेस-वे पर सेक्टर-16ए के पास एपीजे स्कूल के पास निर्मित ड्रेन की ऊंचाई अत्यधिक पाई गई। जिसकी ऊंचाई कम करते हुए 150 से 200 एमएम तक रखने के लिए कहा गया। एक्सप्रेस-वे के निरीक्षण के दौरान इसका अनुरक्षण एवं सेन्ट्रल वर्ज पर पेन्टिंग इत्यादि कार्य अगले सप्ताह तक प्रारम्भ कराये जाने के लिए वर्क सर्किल 9 एवं वर्क सर्किल-10 को निर्देश दिए। महामाया फ्लाईओवर के पास एनटीसी ने स्टोर बनाया हुआ है। इसे हटाने के लिए कहा गया। इसके अतिरिक्त उक्त स्थल पर स्थित पार्क को कंसल्टेंट के माध्यम से रि-डिजाइन कराते हुए पुनर्विकसित किये जाने के लिए उद्यान विभाग को निर्देशित किया गया। साथ ही उक्त पार्क के बीच फाउंटेन लगाने के लिए कहा गया। महामाया फ्लाईओवर के समीप सेक्टर-44 की ओर रात में अंधेरा रहता है। यहां डेकोरेटिव लाइट लगाने के लिए कहा गया। एक्सप्रेस-वे पर महामाया फ्लाईओवर के पास बाह्य विज्ञापन विभाग द्वारा लगवाया गया यूनिपोल जर्जर स्थिति में पाया गया। जिसका तत्काल अनुरक्षण कराये जाने के निर्देश दिए। महामाया फ्लाईओवर से ग्रेटर नोएडा की ओर एक किमी दूरी पर टाइले लगाई गई हैं। जिनका लेवल सड़क के लेवल से असमान है, जिनको सड़क के लेवल पर किये जाने के लिए कहा गया।

सेक्टर-46 व 99 में नोएडा प्राधिकरण का चला पीला पंजा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने एक बार फिर सेक्टर-46 और 99 के सदर सराय एरिया में अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। यहां करीब 450

8 करोड़ मूल्य की जमीन कराई कब्जामुक्त

वर्गमीटर जमीन से अवैध निर्माण को हटाया गया। इस जमीन की कीमत करीब 8 करोड़ रुपए आंकी गई। ये जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित भूमि है।

प्राधिकरण के अफसरों ने बताया कि ये जमीन प्राधिकरण अधिसूचित है। यहां बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा था। प्लाट पर दीवार खड़ी की गई। प्लाटिंग के अलावा यहां पक्के कमरे तक बनाए जा रहे थे। एक दो कमरों का निर्माण भी किया जा चुका था। प्राधिकरण के जानकारी मिली। दोपहर बाद टीम जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंची। यहां अवैध निर्माण को हटाया गया।

ये अवैध निर्माण खसरा नंबर 52 और 53 पर किया गया था। इसको ध्वस्त किया गया। साथ ही अतिक्रमणकर्ताओं को कहा गया कि यदि वे दोबारा ऐसा करते है तो उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। बता इससे पहले प्राधिकरण के ओएसडी ने निरीक्षण कर अवैध निर्माण को सख्त एक्शन लेने की बात कही थी। उन्होंने जूनियर इंजीनियर तक की सेवा समाप्त की और दो सर्किल अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस तक जारी किया।

राजकीय महाविद्यालय में हुई साइबर जागरूकता पर पोस्टर प्रतियोगिता

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच एक

अनोखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नोएडा के राजकीय महाविद्यालय में हुई प्रतियोगिता में छात्रों ने पोस्टर बनाकर राजनीतिक मुददों पर व्यंग्यात्मक विचार रखे।

नोएडा के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्रों को साइबर जागरूकता के लिए पोस्टर प्रतियोगिता हुई। यह प्रतियोगिता राजकीवय स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. डॉ. राजीव कुमार गुप्ता के दिशा निर्देशन में हुई।

इतिहास विभाग, तथा साइबर अपराध जागरूकता समिति की ओर से 'साइबर जागरूकता' विषय पर हुई पोस्टर प्रतियोगिता का संचालन डॉ पारुल ए कौशिक के द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गौरव दुबे (बीए प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान पर कल्पना नायक(बीए प्रथम वर्ष), ऋचा (बी ए तृतीय वर्ष) एवं तृतीय स्थान पर पायल एवं चंचल सिंहल (बीए द्वितीय वर्ष) रहे। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए प्राचार्य सर ने कहा कि की छात्राओं को साइबर क्राइम से बचने के लिए अत्यधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है और अनावश्यक रूप से अपनी निजी जानकारी सोशल मीडिया पर नहीं डालनी चाहिए। प्रतिभागी छात्र छात्राओं ने भी अपने पोस्टर से सम्बंधित विभिन्न विचार प्रस्तुत किए।

साथ ही राजनीति विज्ञान विभागीय परिषद् के अंतर्गत राजनीतिक कार्टून पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें छात्र छात्राओं ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों को व्यंग्यात्मक एवं कलात्मक तरीके से कार्टून पोस्टर में दर्शाया। इसका आयोजन राजनीतिविज्ञान प्रभारी डॉ ममता गौतम ने किया। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

भाजपा अध्यक्ष का रजत विहार में हुआ भव्य स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। रजत विहार सी ब्लॉक मे भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष महेश चौहान का धूमधाम से स्वागत किया गया।

आरडब्लूए अध्यक्ष एवं मंडल महामंत्री अमित नागपाल, दीप्ति, ममता, कुसुम, उषा शर्म, सुनीता, रमेश गुप्ता, मुकेश सिंघल, संजीव गर्ग, सुभाष चौहान, विश्वाश सक्सेना ने महेश चौहान का स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा की महामंत्री डिम्पल आनंद, किसान मोर्चा अध्यक्ष ओमवीर अवाना के अलावा रजत विहार से भगवती प्रसाद, दिवाकर नाथ पांडे, प्रवीण सक्सेना, ओपी अग्रवाल, जय राम मिश्रा, राज मिश्रा,आर के पांडे पूरी मन्दिर समिति, आर के सिंह उपस्थिति रहे।

सेक्टर 55 में श्रीमद् भागवत कथा में उमड़ रही है भीड़

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-55 नोएडा स्थित कम्युनिटी

सेंटर में श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया, जिसमें मनावतार, रामवतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और नंदोत्सव की कथा का वर्णन किया गया। कथावाचक बालक दास महाराज ने इन महत्वपूर्ण घटनाओं को बड़े विस्तार से सुनाया, जिससे सभी भक्त भाव विभोर हो गए।

राम वतार के दौरान राम के आदर्श जीवन और उनके नीतियों का वर्णन किया गया, जिससे सभी भक्तों को जीवन में सच्चाई और धर्म के मार्ग पर चलने का प्रेरणा मिली। श्रीकृष्ण के जन्म और नंदोत्सव का दृश्य सभी के मन को प्रसन्न कर गया, जहां भक्तों ने खुशी और उल्लास के साथ इस पावन अवसर का लाभ उठाया।

मुख्य अतिथियों में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, पूर्व मंत्री मदन चौहान, रविंद्र भाटी, विनोद कसाना, उदयवीर चौधरी, श्याम सिंह चौधरी, हरवीर सिंह, गोविंद सिंह यादव, अरविंद चौहान, प्रमोद प्रजापति, सुभाष दरवेश कुमार, विनोद कुमार, रामभूल सिंह, बीके चित्तौड़िया, कृष्ण कुमार एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

बाल विकास अधिकारी ने किया प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण

गौतमबुद्धनगर (सूवि.)। जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतमबुद्धनगर पूनम तिवारी के निर्देशों पर बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा वीएचएसएनडी सत्र का प्राथमिक विद्यालय एक्टर में निरीक्षण किया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी दनकौर संध्या सोनी बताया कि निरीक्षण के समय एएनएम संघिमल व आंगनबाड़ी कार्यकत्री सविता उपस्थित मिली, जिनके द्वारा ड्यू लिस्ट के अनुसार 20 बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा था एवं पोषण कॉर्नर, जीएमडी आंगनवाड़ी द्वारा प्रदर्शित किया गया।

उन्होंने बताया कि एएनएम व आशा आंगनवाड़ी को संचारी और दस्तक अभियान की पूर्ण जानकारी थी। निरीक्षण के दौरान एएनएम व आशा ने बताया कि पी0एम0एम0वी0वाई0 का अभी तक कोई फॉर्म नहीं भरा गया है। एएनएम द्वारा बताया गया 7 वेब परिवार है, जिनके यहाँ (माह के दूसरे शनिवार) को टीकाकरण प्रस्तावित है। मुख्य सेविका ऊषा व किरन-अदिति पी0एम0एम0वी0वाई0 से पुन: बात कर फ़ार्म भरवाने एवं सत्र पर पहुँच कर वेब परिवार को समझाने, टीकाकरण में आंगनवाड़ी का सहयोग करने के निर्देश दिए गए।

अंतरिक्ष बिल्डर के खिलाफ आरसी, 272 करोड़ का बकाया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने दो बिल्डरों पर बड़ा एक्शन लिया है। अंतरिक्ष डेवलपर्स के खिलाफ बकाया वसूलने के लिए आरसी जारी की गई वहीं जीएस प्रमोटर्स के खिलाफ सार्वजनिक सूचना संबंधित बोर्ड पर काली स्याही पोतने पर एफआईआर कराई जा रही है। ये निर्देश सीईओ नोएडा प्राधिकरण लोकेश एम ने दिए।

उन्होंने बताया कि अन्तरिक्ष डेवलपर्स एंड प्रमोटर्स प्रालि को जीएच-05ए सेक्टर-78 में 49918.95 वर्गमीटर जमीन आवंटित की गई। बिल्डर ने प्लाट लागत का पैसा प्राधिकरण में जमा नहीं कराया। इसके एवज में प्राधिकरण ने बिल्डर को कई बार नोटिस जारी किए। यही नहीं अमिताभ कांत की सिफारिश के

बकायेदारी के नोटिस पर बिल्डर ने पोती काली स्याही

तहत शासनादेश 21 दिसंबर 2023 को कोविड-19 के लिए जीरो पीरीयड का लाभ दिया गया।

ऐसे में बकाया की गणना कर बिल्डर को 25 प्रतिशत धनराशि जमा करने के लिए कहा गया। ये पैसा भी बिल्डर ने जमा नहीं किया। ऐसे में 28 फरवरी 2025 तक बिल्डर पर करीब 272.96 करोड़ का बकाया हो गया। प्राधिकरण ने भू राजस्व की तरह बकाया वसूली के लिए डीएम को पत्र लिखा है।

जीएस प्रमोटर्स प्रालि को ग्रुप हाउसिंग जीएच-1सी सेक्टर-78 में भूखंड का आवंटन किया गया। बिल्डर द्वारा अब तक प्राधिकरण का पैसा जमा नहीं किया गया। इसके एवज में प्राधिकरण ने बिल्डर सोसाइटी के बाहर 30 अप्रैल 2024 तक की बकाया जमा करने का सार्वजनिक सूचना का एक बोर्ड लगाया। स्थलीय निरीक्षण में पाया गया कि इस बोर्ड सार्वजनिक सूचना को काली स्याही से पोत दिया गया। ऐसे में प्राधिकरण ने बिल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस

ऑटिज्म ग्रसित व्यक्ति बन सकता है आत्मनिर्भर

नोएडा (चेतना मंच)। ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक मानसिक स्थिति है।

सही देखभाल, थेरेपी और सहयोग से ऑटिज्म ग्रसित व्यक्ति भी आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं। यह बातें फेलिक्स हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिट सुमित शर्मा डॉक्टर ने विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर मरीजों को बताई।

उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिन को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य ऑटिज्म से प्रभावित लोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें समाज में समान अधिकार दिलाना है। ऑटिज्म जिसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) भी कहा जाता है। एक न्यूरोडेवलपमेंटल स्थिति है। जो बचपन में शुरू होती है और पूरे जीवन भर बनी रहती है। यह कोई बीमारी नहीं बल्कि एक मानसिक स्थिति है। जिसमें व्यक्ति को सामाजिक संपर्क, संचार और व्यवहार में कठिनाई होती हैं। ऑटिज्म किसी भी बच्चे को हो सकता है, लेकिन यह अधिकतर 3 साल की उम्र तक पहचान में आ जाता है। परिवार में पहले से ऑटिज्म के मामले होने पर इसकी संभावना बढ़ जाती है। गर्भावस्था के दौरान किसी प्रकार की जटिलता या संक्रमण से मस्तिष्क का विकास प्रभावित हो सकता है। प्रदूषण, गर्भावस्था में पोषण की कमी, वायरल संक्रमण जैसे कारक ऑटिज्म को बढ़ा सकते हैं। मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर का असामान्य स्तर भी इसकी वजह हो सकता है। ऑटिज्म के लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। आमतौर पर ये लक्षण बचपन से ही दिखाई देने लगते हैं। ऑटिज्म का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन कुछ उपचार और थेरेपी के जरिए इसे नियंत्रित किया जा सकता है। व्यवहार थेरेपी का बच्चों को सामाजिक और संवाद कौशल सिखाने के लिए विशेष तकनीकों का उपयोग किया जाता है। स्पीच थेरेपी बोलने और संवाद कौशल विकसित करने में मदद करती है।

रोकथाम के उपाय

- संतुलित आहार लें, तनाव से बचें और नियमित चिकित्सीय परामर्श लें।
- गर्भावस्था और बचपन में आवश्यक टीके लगवाए।
- यदि बच्चा निर्धारित उम्र में बोलने या सामाजिक संपर्क में देरी कर रहा है, तो विशेषज्ञ से सलाह लें।
- बच्चे को एक सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण में बड़ा करें।

ऑटिज्म के लक्षण

- दूसरों से बातचीत करने या आंखों में आंखे डालकर बात करने में कठिनाई।
- भावनाओं को समझने और व्यक्त करने में परेशानी।
- बोलने में देरी या बिल्कुल न बोलना।
- अजीबोगरीब आवाज़ों या शब्दों का दोहराव।
- कोई एक ही काम बार-बार करना।
- किसी विशेष चीज़ में अत्यधिक रुचि लेना और उसी में खोए रहना।
- तेज़ रोशनी, आवाज़ या स्पर्श से परेशान होना।
- छोटी-छोटी चीज़ों में बदलाव से चिढ़ जाना या घबरा जाना।